

पश्चिम बंगाल भाजपा ने अक्टूबर में होने वाले विधानसभा उपचुनाव और आगामी नगर निकाय चुनाव से पहले अपनी मीडिया टीमा में बदलाव किया है। पार्टी ने पूर्व प्रदेश महासचिव सायंतन बोस और पार्टी नेता प्रणय रॉय को स्पीकर से प्रवक्ता बनाया है। वह बदलाव भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे से ठीक पहले हुआ है। पार्टी ने अधिवक्ता डेबजीत सरकार को प्रदेश इकाई का मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। अनुपम घोष को मीडिया विभाग का संयोजक बनाया गया है। प्रवक्ताओं को नई सूची में रिंतेरा तिवारी, सायंतन बोस, केया घोष, प्रणय रॉय, डॉ. तन्मय मुखोपाध्याय, सप्तर्षि चौधरी, ओफेलिया सिंह, अंकन दास, मेघा सेन रॉय, डॉ. निखिल प्रसून सिंह, शमिक दासगुप्ता, सुदीपा गुहा और सेवानिवृत्त मेजर ऋतविक पाल शामिल हैं।

अगर किसी विधायी दल के दो-तिहाई सदस्य दूसरी पार्टी में चले जाते हैं, तो इसे विलय माना जाता है और दल-बदल के कारण उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती। उन्होंने इस खामी को दूर करने के लिए दसवीं अनुसूची में संशोधन करने पर जोर दिया।

अगर किसी विधायी दल के दो-तिहाई सदस्य दूसरी पार्टी में चले जाते हैं, तो इसे विलय माना जाता है और दल-बदल के कारण उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती। उन्होंने इस खामी को दूर करने के लिए दसवीं अनुसूची में संशोधन करने पर जोर दिया।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने अक्टूबर में होने वाले विधानसभा उपचुनाव और आगामी नगर निकाय चुनाव से पहले अपनी मीडिया टीमा में बदलाव किया है। पार्टी ने पूर्व प्रदेश महासचिव सायंतन बोस और पार्टी नेता प्रणय रॉय को स्पीकर से प्रवक्ता बनाया है। वह बदलाव भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे से ठीक पहले हुआ है। पार्टी ने अधिवक्ता डेबजीत सरकार को प्रदेश इकाई का मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। अनुपम घोष को मीडिया विभाग का संयोजक बनाया गया है। प्रवक्ताओं को नई सूची में रिंतेरा तिवारी, सायंतन बोस, केया घोष, प्रणय रॉय, डॉ. तन्मय मुखोपाध्याय, सप्तर्षि चौधरी, ओफेलिया सिंह, अंकन दास, मेघा सेन रॉय, डॉ. निखिल प्रसून सिंह, शमिक दासगुप्ता, सुदीपा गुहा और सेवानिवृत्त मेजर ऋतविक पाल शामिल हैं।

अगर किसी विधायी दल के दो-तिहाई सदस्य दूसरी पार्टी में चले जाते हैं, तो इसे विलय माना जाता है और दल-बदल के कारण उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती। उन्होंने इस खामी को दूर करने के लिए दसवीं अनुसूची में संशोधन करने पर जोर दिया।

चिंतन

संविधान की मूल भावना के अनुरूप है यूसीसी

समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर देश में बहस नई नहीं है, लेकिन अब यह बहस विचार के स्तर से आगे बढ़कर कानून और उसके क्रियान्वयन के स्तर पर पहुंचती दिखाई दे रही है। विवाह, तलाक़, बच्चा गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे जैसे पारिवारिक मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान नियम लागू करने की अवधारणा अपने आप में संविधान की उस भावना के अनुरूप है, जो कानून के सामने समानता और समान अधिकार की बात करती है। संविधान के अनुच्छेद 44 में भी राज्य को पूरे देश में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित कर का प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। यूसीसी का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा है। विवाह और उत्तराधिकार जैसे मामलों में अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण महिलाओं के अधिकारों में जो असमानताएं दिखाई देती रही हैं, उन्हें दूर करने की दिशा में समान कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। किसी महिला के अधिकार केवल उसके धर्म या व्यक्तिगत कानून से तय न होकर समान नागरिक अधिकारों के आधार पर तय हों, यह संवैधानिक समानता की मूल भावना को मजबूत करता है। देश में यूसीसी को लेकर उत्तराखंड ने सबसे पहले कानून लागू करके एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके बाद अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इस दिशा में गतिविधियां तेज हुई हैं। गुजरात और असम में इससे संबंधित प्रस्ताव आगे बढ़े हैं, जबकि मध्य प्रदेश में भी इससे जुड़े विधायी कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से भाजपा शासित करीब 21 राज्यों में यूसीसी लागू करने की योजना पर काम किए जाने की चर्चा इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला रही है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा भी शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक पेश करने की तैयारी इसी बदलते राजनीतिक और विधायी परिदृश्य का संकेत है। हालांकि यूसीसी का उद्देश्य समानता स्थापित करना है, लेकिन इसकी सफलता केवल कानून बनाने से तय नहीं होगी। इसी संदर्भ में मुस्लिम पर्सनल लॉ को लेकर उठने वाली आपत्तियों और न्यायिक चुनौती को भी गंभीरता से देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई का मुद्दा इस व्यापक बहस का हिस्सा है। याचिकाकर्ताओं ने इसमें मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, भोपाल में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में यूसीसी के विरोध के साथ कानूनी लड़ाई की रणनीति पर चर्चा और 17 सितंबर को जंतर-मंतर के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश से लोगों की भागीदारी की अपील बताती है कि विरोध का पक्ष भी अपनी बात लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से रखने की तैयारी कर रहा है। यूसीसी यदि वास्तव में समान नागरिक अधिकारों का माध्यम बनना है तो उसकी बुनियाद किसी समुदाय के विरुद्ध राजनीतिक धुवीकरण पर नहीं, बल्कि लैंगिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों पर होनी चाहिए। समान नागरिक संहिता संविधान के अनुच्छेद 44 में व्यक्त लक्ष्य है। इसलिए इस पर चर्चा या कानून बनाने को अर्संवैधानिक कहना उचित नहीं होगा। लेकिन संवैधानिक भावना का अर्थ केवल समान कानून बनाना नहीं, बल्कि समानता के साथ न्याय और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। यूसीसी तभी सफल होगा, जब वह समाज को बांटने के बजाय नागरिकों के बीच समान अधिकार और समान न्याय का भरोसा मजबूत करे।

मंथन
ज्ञानेन्द्र रावत



आखिर कब समझेंगे हम हिमालय की पीड़ा

नेपाल त्रासदी ने हिमालय को, उसके मूल चरित्र को बूझने-समझने का हमें फिर एक अवसर प्रदान किया है, जबकि बीते दशकों की घटनाएं हथार-बार सचेत करती रही हैं। नेपाल में आई आपदा के खतरे की चेतावनी भी करीब 5 महीने पहले इंटरनेशनल सेंटर फार इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने मार्च 2026 में जारी रिपोर्ट के जरिए दी थी, लेकिन दुःखद है कि बार-बार दी जा रही चेतावनियों को हम नजरंदाज करते रहे हैं। यह भी कि बीते दशकों की घटनाओं से हमने न तो कोई सबक सीखा और न उनसे निबटने की बाबत कोई कारगर प्रयास ही किए। नेपाल की घटना ने यह साफ कर दिया है कि इस इलाके में भूस्खलन और जलवायु जैसे जोखिम लगातार बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों के फटने का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संस्था के कार्यकारी सचिव साइमन स्टील का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से ऐसी आपदाओं की आशंका, आवृत्ति और घातकता काफी बढ़ जाती है। इसके साथ हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूरा हिमालयी अंचल अपनी बनावट और प्राकृतिक विशेषताओं के चलते स्वाभाविक रूप से आपदाओं के प्रति काफी संवेदनशील है। यह दुनिया की सबसे नई पर्वत शृंखला है, जिसकी चट्टानें और मिट्टी पूरी तरह जमी और कठोर नहीं हैं, जिसके कारण इस इलाके में मामूली हलचल से ही भू-स्खलन हो जाना आम बात है। यहां के पहाड़ और ढलान बहुत ही तेज, तीखे और सीधे हैं, जिसकी वजह से बर्फबारी या बारिश के दौरान पहाड़ी मिट्टी और चट्टानें तेजी से नीचे गिरती हैं। इससे ग्लेशियर फटने का खतरा हर समय बना रहता है। इसकी इसी खासियत और ऊंचाई की वजह से इस इलाके में बारिश भी खूब होती है जो बाढ़ का सबसे बड़ा कारण बनती है। इसका एक अहम कारण यह भी है कि इंडियन टैक्टोनिक प्लेट लगातार उत्तर की ओर खासकर यूरैनियम प्लेट से टकरा रही है जिसके निरंतर टकराव की वजह से भूमि के भीतर भारी तनाव पैदा होता है।हिमालयी अंचल में घटती वन छतरी भी पहाड़ों के दरकने की अहम वजह है। अध्ययनकर्ता वैज्ञानिकों की मानें तो पेड़ों की कटाई, पहाड़ों पर बेतहाशा बढ़ता जा रहा निर्माण और जलवायु परिवर्तन वन छतरी घटने की प्रमुख वजह है। क्योंकि वन छतरी यानी पेड़ों की पत्तियां , टहनियों और शाखाओं से जमीन के ऊपर बनी प्राकृतिक परत बारिश की बूंदों की जमीन पर सीधी मार को कम करती है। इनके न होने से बारिश की बूंदों की सीधी मार जमीन पर गिरती है जिससे ढलान की मिट्टी में पानी और जल दबाव बढ़ जाता है। सदी के अंत तक कई हिमालयी इलाकों से बर्फ लगभग गायब हो सकती है। यह हिमालयी अंचल में तेजी से बदल रहे मौसम के पिछाज का सबूत है। मौसम में आ रहा यह बदलाव ग्लेशियरों के पिघलने की दर को गहराई से प्रभावित कर रहा है। इसके कारण हिमालयी क्रायोस्फीयर कहीं या बर्फीला तंत्र पहले से अधिक संवेदनशील होता जा रहा है। नतीजतन हिमालयी ग्लेशियर तेजी से बर्बाद हो रहे हैं। हिमालय के तकरीबन 60 हजार से भी अधिक ग्लेशियर एशिया की दस बड़ी नदियों और सैकड़ों सहायक नदियों के स्रोत हैं। इन पर भारत, पाकिस्तान, नेपाल, चीन,भूटान, बांग्लादेश, हिंदचीन और मध्य एशिया के करीब दो अरब लोगों का जीवन यानी भोजन, पानी और ऊर्जा पर आधारित है। इन ग्लेशियरों का करीब-करीब तीन चौथाई हिस्सा समुद्र तल से मात्र 4500 से लेकर 6000 मीटर की ऊंचाई पर हैं। इसरो के सैटेलाइट अध्ययन के अनुसार 2431 बड़ी झीलें चिह्नित की गई हैं, जिनका आकार 10 हैक्टेयर से अधिक है। इनमें से 676 का आकार 27 फीसदी से भी अधिक बड़ा है। इनमें 130 सर्वाधिक संवेदनशील हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी ऑस्ट्रिया और वाडिया हिमालयन भूविज्ञान संस्थान के हालिया अध्ययन के अनुसार हिमालयी क्षेत्र में वर्तमान में 24,440 ग्लेशियर झीलें हैं जिनमें 221 बेहद संवेदनशील और खतरनाक हैं जो कभी भी बम की तरह फट सकती हैं। निष्कर्ष यह कि नेपाल की हालिया त्रासदी ने न केवल ग्लेशियरों की निगरानी पर ही सवाल खड़े नहीं किए हैं, उसने चेतावनी तंत्र पर भी सवाल खड़े किए हैं। इस त्रासदी ने हिमालयी अंचल के देशों यथा- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान, चीन और म्यांमार सहित हिमालयी भारतीय राज्यों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। यही नहीं नेपाल त्रासदी को हमें केवल एक आपदा के रूप में नहीं, बल्कि एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखने की जरूरत है। यह सब पर्यावरण संवेदनशीलता के साथ भागने में समन्वय से ही संभव होगा। उसी स्थिति में हम मानवजनित ऐसी आपदाओं के भंवर से बाहर निकलने और अपने भाल हिमालय को बचा पाने में समर्थ हो पाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

ओमकार चौधरी

2027 के विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए सिर्फ पांच राज्यों की सत्ता का सवाल नहीं, बल्कि 2029 की बड़ी राजनीतिक लड़ाई की जमीन भी तैयार करेंगे। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में होने वाले चुनावों से पहले भाजपा 2024 के बाद मिली लगातार चुनावी सफलताओं के आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतर रही है। पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने से पार्टी का मनोबल बढ़ा है, वहीं दिल्ली में वापसी और अन्य राज्यों में एनडीए की जीत ने विपक्ष की चिंता बढ़ाई है। इसी बीच ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की कूटनीतिक सफलता भाजपा के लिए राष्ट्रवाद और वैश्विक नेतृत्व का नया चुनावी नैरेटिव तैयार कर सकती है।

भातीय राजनीति एक बार फिर करवट लेने जा रही है। 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब इन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, और भाजपा नेतृत्व अभी से इसकी तैयारियों में जुट गया है। लेकिन इस बार भाजपा किसी नई शुरुआत के साथ नहीं, बल्कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद मिली सिलसिलेवार जीतों के आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने वाली है। साथ ही, नई दिल्ली में अभी-अभी संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की कूटनीतिक सफलता भी उसके लिए एक सकारात्मक माहौल बना रही है, जिसका सीधा असर आने वाले चुनावों में मतदाताओं की सोच पर पड़ सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से अब तक देश के करीब ग्यारह राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, और इनमें से सात से ज्यादा में एनडीए-भाजपा की सरकारें बन चुकी हैं।

आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ ही एनडीए को जीत मिली थी। इसके बाद हरियाणा में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचा, तो महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की। दिल्ली में करीब 27 साल बाद भाजपा की सत्ता में वापसी हुई और बिहार में एनडीए ने अपना गठबंधन बरकरार रखा।लेकिन इस पूरी यात्रा की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली कामयाबी रही पश्चिम बंगाल। मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को करारी शिकस्त देते हुए पहली बार राज्य में सरकार बनाई और वो भी प्रचंड बहुमत के साथ। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि बंगाल लंबे समय से भाजपा के लिए एक दुर्गम किला माना जाता रहा है। इसी के साथ असम में भाजपा की सत्ता में वापसी हुई और पुडुचेरी में भी एनडीए जीता। हालांकि केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने दस साल बाद सत्ता में वापसी की, और तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने डीएमके को सत्ता से बाहर कर दिया यानी तस्वीर पूरी तरह एकतरफा नहीं है, लेकिन बड़े और रणनीतिक रूप से अहम राज्यों में भाजपा-एनडीए की लगातार जीत ने पार्टी को एक मजबूत मनोवैज्ञानिक बढ़त जरूर दी है। यही वजह है कि विपक्षी खेमे में बेचैनी बढ़ती जा रही है। चिंता यह है कि अगर भाजपा का यही जीत का सिलसिला 2027 में यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में भी बरकरार रहा, तो 2029 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लिए चुनौती और भी विकराल हो जाएगी। यूपी जैसे सबसे बड़े राज्य में भाजपा को सत्ता की हैट्रिक की उम्मीद है, हालांकि समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव का पीडीए

(पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) फॉर्मूला उसके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। वहीं, पंजाब अकेला ऐसा राज्य है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है, यहां आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल खुद सक्रिय होकर रैलियां कर रहे हैं और समय से पहले चुनाव की आशंका तक जता चुके हैं, जो दिखाता है कि पंजाब में मुकाबला भाजपा के लिए एक अलग ही रणनीति की मांग करता है।

ठीक इसी दौर में, जब भाजपा 2027 के चुनावों की जमीन तैयार कर रही है, नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक साख को और मजबूत कर दिया है। भारत की



अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन में न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 को सर्वसम्मति से अपनाया गया और इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इसमें आपस में गहरे मतभेद रखने वाले ईरान, सऊदी अरब और यूएई जैसे देश भी शामिल हैं। सबसे उल्लेखनीय रहा भारत का कूटनीतिक मध्यस्थता कोशला। ईरान जहां चाहता था कि घोषणा पत्र में अमेरिकी-इजरायली हमलों और पश्चिमी प्रतिबंधों की स्पष्ट निंदा हो, वहीं यूएई की मांग थी कि खाड़ी क्षेत्र पर हुए ईरानी मिसाइल हमलों की भी निंदा शामिल की जाए यानी दोनों पक्षों की मांगें एक-दूसरे से पूरी तरह टकरा रही थीं। भारत ने रातभर, यानी सुबह चार बजे तक चली बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर किया और एक ऐसा संतुलित साझा बयान तैयार करवाया जिसमें किसी देश का नाम लिए बिना हर तरह की आक्रामकता की निंदा की गई। इसके अलावा घोषणा पत्र में पहलगाम आतंक हमले की कड़ी निंदा, आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ सख्त रुख, आतंकवाद को धर्म से न जोड़ने की बात, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता को रूस-चीन का समर्थन, और एकतरफा टैरिफ की निंदा जैसे मुद्दे भी शामिल रहे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में हुआ यह सम्मेलन पीएम मोदी की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को रेखांकित करता है।

राजनीतिक नजरिए से देखें तो ऐसे कूटनीतिक आयोजनों का असर सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मंच तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देश में जहां राष्ट्रवाद और वैश्विक नेतृत्व की छवि चुनावी विमर्श का अहम हिस्सा बन चुकी है, वहां ब्रिक्स जैसी सफलताएं मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक और गर्व का संदेश देती हैं भारत अब सुनता नहीं, बल्कि दुनिया को सुनाते है यह नैरेटिव आने वाले विधानसभा चुनावों के प्रचार में भाजपा के लिए एक भावनात्मक जुड़ाव का औजार बन सकता है। लेकिन चुनावी राह इतनी आसान भी नहीं है। घरेलू मोर्चे पर जातीय राजनीति एक नया मोड़ लेती दिख रही है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अगस्त 2026 से 'रिजर्वेशन रिफॉर्म आंदोलन' के नाम से सामान्य वर्ग और सर्वण संगठनों का प्रदर्शन जारी है, जिसमें जनरल सेना, चाणक्य सेना और करणी सेना जैसे संगठन शामिल हुए हैं। यह आंदोलन यूजीसी के नए समानता (इक्विटी) नियमों के विरोध में भड़का, जिन्हें दलित-आदिवासी-ओबीसी संगठन जातिगत भेदभाव रोकने के लिए जरूरी मानते हैं, जबकि सर्वण संगठन इसे अपने खिलाफ दुरुपयोग की आशंका के तौर पर देखते हैं।

भाजपा खेमे के कई नेताओं का यह भी दावा है कि विपक्षी दल 2027 के यूपी चुनाव से पहले जानबूझकर हिंदू वोटों की जातीय आधार पर बंटने की रणनीति पर काम कर रहे हैं ठीक वैसे ही जैसा दावा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही किया गया था। हालांकि विपक्ष और सामाजिक न्याय से जुड़े संगठन इसे साजिश नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक असमानता और जातीय भेदभाव का एक वास्तविक और लंबित मुद्दा मानते हैं। यह बहस आने वाले महीनों में और तेज होने की पूरी संभावना है।कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा 2027 के पांच राज्यों के चुनावी मैदान में दो बड़े हथियारों के साथ उतर रहे हैं एक तरफ 2024 के बाद मिली सिलसिलेवार चुनावी जीतों, खासकर बंगाल जैसे मुश्किल किले की फतह का आत्मविश्वास, और दूसरी तरफ ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंच पर मिली कूटनीतिक कामयाबी का सकारात्मक और राष्ट्रवादी संदेश। लेकिन घरेलू मोर्चे पर सर्वण-आरक्षण बहस, जातीय धुवीकरण की कोशिशें और पंजाब जैसे राज्य में एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी की मौजूदगी ये सब मिलकर यह तय करेंगे कि क्या भाजपा अपनी इस जीत की यात्रा को अगले चरण में भी बरकरार रख पाती है, या विपक्ष इन्हीं मुद्दों के सहारे अपनी 2029 की राह को थोड़ा आसान बना पाता है। आने वाले महीनों में यह राजनीतिक संग्राम और तेज होना तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

धैर्य के साथ करें आत्ममूल्यांकन



संकलित दर्शन

प्रकृति हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित व उत्साहित करती रहती है। हर पेड़, पौधे, फूल, पत्ती का एक मौन संदेश हुआ करता है और वह है कि स्वयं को निरंतर गतिमान और संतुलित रखने के लिए धैर्य चाहिए। पेड़ों पर मंजरी या बौर आने के तुरंत बाद ही तो फल नहीं आ जाता। हौले-हौले ही यह प्रक्रिया सम्पन्न होती है। माटी, हवा और पानी से जिस तरह एक पौधा धीरज रखकर खुद को पुष्पित और पल्लवित करता है, हमें भी ऐसा ही जीवन दर्शन अपनाना चाहिए। महर्षि अरविंद अपने पास आने वाले जिज्ञासु को यह मंत्र देते थे कि मनुष्य अपने सारे जीवन का वास्तुकार स्वयं ही है। हम अपनी रचि और सोच-विचार के हिसाब से दिनचर्या तय करते हैं। अपने तौर तरीके से दिन बिताते हैं। सब सामान्य रहता है, तो हम खुश रहते हैं। लेकिन इस दिनचर्या में कुछ जरा-सा भी कुछ अनचाहा हुआ नहीं कि हम सिर पीटने लगते हैं। हमारा धैर्य डोल जाता है। हमारी पसंद से बने हुए जीवन की हलचल और हिकचोले हमें विचलित कर देते हैं। हम गलती से भी आत्म अवलोकन नहीं करते। हम अपनी भूमिका न देखकर किसी और पर दोष मढ़ देते हैं। ऐसा प्रदर्शित करते हैं कि इस हालत के लिए हमने एक अलगाव सब ही जिम्मेदार हैं। आरोप लगाने और खुद साफ बच जाने के इस पल में हम चतुराई से यह सच छिपा जाते हैं कि कर्म का नियम कुछ और ही है। कर्म का सिद्धांत यह साफ कहता है कि हमारे हर दुःख कष्ट आदि के लिए हम ही जिम्मेदार हैं, कोई दूसरा नहीं।

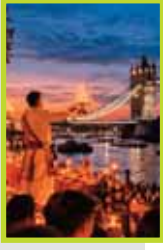
अंतर्मन



करंट अफेयर

लंदन में टेम्स नदी के तट पर पहली बार हुई गंगा आरती

लंदन में टेम्स नदी के तट पर रविवार को पहली बार गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया । ‘टेम्स तट पर गंगा आरती : प्रकाश उत्सव’ नाम से आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन ‘चिन्मय मिशन यूके’ ने ‘टोटली टेम्स’ के वार्षिक उत्सव के सहयोग से किया। यह आयोजन ‘चिन्मय मिशन’ की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दुनियाभर में हो रहे कार्यक्रमों का हिस्सा था। भारत में गंगा के तट पर होने वाली प्रसिद्ध आरती की परंपरा से प्रेरित इस आयोजन की परिकल्पना प्रकृति, ज्ञान और चेतना के जीवनदायी प्रवाह के प्रतीक के रूप में की गई थी। ‘चिन्मय मिशन यूके’ की शिक्षिका ब्रह्मचारिणी श्रीप्रिया चैतन्य ने कहा, पीढ़ियों से श्रद्धालु गंगा के तट पर दीप प्रज्वलित कर मां गंगा की आराधना करते और प्रकृति एवं जीवन को संचारने वाली दिव्य शक्तियों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता दर्शाते आए हैं। उन्होंने कहा, ‘टेम्स नदी के तट पर गंगा आरती भी इसी भावना को आगे बढ़ाती है और कृतज्ञता, आशा तथा एकता के साझा भाव में लोगों को एक साथ लाती है। चैतन्य ने बताया कि चिन्मय मिशन के लिए गंगा ज्ञान के प्रवाह का भी प्रतीक है।



अनुसरण करती थी। ‘ स्मार्टवॉच’ यानी ऐसी डिजिटल घड़ी जो समय बताने के साथ-साथ शरीर और दैनिक गतिविधियों से जुड़ी कई जानकारीयों भी दर्ज करती है। इन लय में सप्ताह, महीने या यहां तक कि 10 सप्ताह तक के अलग-अलग चक्र अपे गए। इन चक्रों के दौरान प्रति मिनट दिल की गति एक निश्चित क्रम के अनुसार बढ़ती और घटती रही। इन चक्रों की पहचान से मानव शरीर की जैविक समय-व्यवस्था के बारे में हमारी समझ का विस्तार होता है और इसका इस्तेमाल लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में किया जा सकता है।

विचार हरिभूमि 4

मोदी को ब्रिक्स से नई ऊर्जा



संकलित प्रेरणा

चंद्र और दक्ष प्रजापति से जुड़ी कथा है। दक्ष प्रजापति ने अपनी 27 पुत्रियों का विवाह चंद्र देव से किया था। दक्ष की सभी पुत्रियों में रोहिणी सबसे सुंदर थी। इसी वजह से चंद्र रोहिणी से अधिक प्रेम करते थे और बाकी पत्नियों पर ध्यान नहीं देते थे। इस कारण दक्ष की शेष 26 पुत्रियों को रोहिणी से जलन होने लगी। इन 26 पुत्रियों ने ये बात अपने पिता प्रजापति दक्ष से कह दी। दक्ष ये सुनकर गुस्सा हो गए और उन्होंने चंद्र को धीरे-धीरे क्षीण होने यानी खत्म होने का शाप दे दिया। दक्ष के शाप से चंद्र देव धीरे-धीरे घटने लगा यानी खत्म होने लगे। चंद्र देव ने दक्ष के शाप का असर खत्म करने के लिए ब्रह्माजी से मदद मांगी। तब ब्रह्मा जी ने चंद्र को सलाह दी कि उन्हें प्रभाष क्षेत्र (सोमनाथ का क्षेत्र) में शिव जी को प्रसन्न करने के लिए तप करो। शिव जी की कृपा से तुम्हारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। ब्रह्मा जी की बात मानकर चंद्र ने प्रभाष क्षेत्र में शिवलिंग स्थापित किया और तपस्या शुरू कर दी। चंद्र के कठोर तप से प्रसन्न होकर शिव जी प्रकट हुए और दक्ष के शाप का असर कम करके अमर होने का वरदान दे दिया। दक्ष के शाप का असर कम होने से चंद्र कृष्ण पक्ष में क्षीण यानी खत्म होता है और शुक्ल पक्ष में चंद्र बढ़ने लगता है। पूर्णिमा को पूर्ण रूप हो जाता है। चंद्र देव ने शिव जी से प्रार्थना की थी कि वे प्रभाष क्षेत्र में ही वास करें। चंद्र देव की प्रार्थना मानकर भगवान ज्योति स्वरूप में प्रभाष क्षेत्र में विराजित हो गए। यहां चंद्र देव ने शिवलिंग स्थापित किया था, इसी वजह से इस शिवलिंग का नाम सोमनाथ पड़ा है।



गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

देवावियों को गणेश चतुर्थी की अनंत शुभकामनाएं। विजयार्ता के दर्शन और पूजन का यह पावन एवं सबसे जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे। उनके दिव्य आशीर्वाद से सभी के प्रयास सफल हों। गणपति बाप्पा मोरार!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भाषा कुंज का लोकार्पण

नवी मुंबई में छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा विभाग के राजभाषा कर्ी एवं राजभाषा गौरव पुरस्कार विभितर किए। भारतीय बहुभाषी अन्तुवद 'संगयी' गोबड़ल एव व देरा के पहले डेटा सेंटर 'भाषा कुंज' का लोकार्पण किया। -अमित शाह, गृहमंत्री

खाने पर राजनीति

मुझे यकीन नहीं हो रहा कि कांग्रेस पार्टी ब्रिक्स देतों के नेताओं को परेशो गए खाने के मेन्यू पर भी राजनीति कर रही है। हमारे मेहमानों ने भारतीय शाकाहारी भोजन का आनंद लिया, जो स्वाद और पोषण से भरपूर था और जिसका अलग-अलग क्षेत्रों की परंपराओं की झलक थी। -फिरेन रिंजिगु, केंद्रीय मंत्री

पसंद पोपती है भाजपा

भाजपा का लोभो पर पसंद पोपना पहले से ही समाप्त है। दुनियाभर से आए गणमान्य लोगों पर भी अपनी पसंद थोपाकर इसे एक कदम आगे बढ़ा दिया है। भारत एक समृद्ध, विविधतापूर्ण और कई व्यंजनों वाला देश है। यहां गांसाहारी व्यंजनों की भी कई बेहतरीन किस्में है, जिन्हें लोग पसंद करते है और बड़े चाव से खाते है। -पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में शोध पुस्तकालय का भव्य शुभारंभ

पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला : डॉ. पवन तिवारी

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के परिसर में सोमवार को नानाजी देशमुख शोध पुस्तकालय का भव्य शुभारंभ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि विद्या भारती के पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी रहे। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की प्रयोगशाला है। नानाजी देशमुख का जीवन सिखाता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान करना होना चाहिए।IM कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मंदीप शर्मा ने कहा कि नानाजी देशमुख ने अपने त्याग, सेवा और संकल्प से असाधारण पहचान बनाई। उन्होंने सत्ता के बजाय समाज को चुना। यह शोध पुस्तकालय नई पीढ़ी को साधारण से असाधारण बनने की प्रेरणा देगा। मुख्य वक्ता डॉ. अवनीश भटनागर ने 'राष्ट्र चेतना का घोष है वंदे मातरम्' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वंदे मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कांग्रेस अधिवेशन में इसके प्रथम गायन से लेकर राष्ट्रीय गीत बनने तक की यात्रा और जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुने जाने से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों पर प्रकाश डाला। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कपिल देव शर्मा ने नानाजी देशमुख के त्यागमय जीवन तथा दीनदयाल शोध संस्थान और चित्रकूट के ग्रामोदय से अंत्योदय मॉडल की जानकारी दी।



प्रशासनिक प्रयासों से साकार हुआ पुस्तकालय

विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. (डॉ.) राखी वैश के प्रशासनिक नेतृत्व, सहायक कुलसचिव डॉ. रामकिंकर मिश्रा के समन्वय एवं सहयोग तथा पुस्तकालय प्रमारी डॉ. श्यामंतक मणि त्रिपाठी के अथक प्रयासों से पुस्तकालय का निर्माण एवं शुभारंभ संभव हुआ। पुस्तकालय प्रमारी डॉ. त्रिपाठी ने इस ज्ञान केंद्र की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में IITDM के निदेशक डॉ. मरतेंदु सिंह, अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. तोमर, प्रसार निदेशक डॉ. सुनील नायक, डायरेक्टर एनिमल बायोटेक्नोलॉजी डॉ. मोहन सिंह ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. असित जैन सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ चिकित्सक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंगलायतन विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आशीष मिश्रा ने किया। शोध पुस्तकालय के शुभारंभ को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं शोध क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया।

महिला का पर्स झपटकर फरार हुए बदमाश, तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर। कैट थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाश एक महिला का पर्स झपटकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार छोट्टा रास्ता, जीसीएफ स्टेट राइली निवासी सुजाता शर्मा (51) अपने पति और बेटे के साथ इंडियन कॉफी हाउस, सडर जा रही थीं। अचानक किराना दुकान के सामने पहुंचते ही मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया और पेटैनाका की ओर फरार हो गए। पर्स में नीले रंग का आईफोन और ड्राइविंग लाइसेंस रखा था। महिला ने बताया कि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक ने सफेद शर्ट और काली पैंट पहनी थी। वह मोटरसाइकिल के नंबर के अंतिम चार अंक 1627 देख सकीं। शिकायत पर कैट पुलिस ने धारा 304(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

ट्रेन से गिरने के बाद गार्ड ने देखा घायल यात्री, तत्काल कराई मदद उपलब्ध

हरिभूमि, जबलपुर।

रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता की एक मिसाल सामने आई है। जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत ट्रेन संख्या 22366 में ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने गुरमखेड़ी स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर घायल हुए यात्री को देख लिया और तत्काल इसकी सूचना संबंधित रेलकर्मियों को दी।

जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय राघवेंद्र सिंह, पिता हनुमान सिंह, निवासी कुसवार, थाना सिमरिया, जिला रीवा, गुरमखेड़ी स्टेशन से ट्रेन के रवाना होने के बाद ट्रेन से गिरकर घायल हो गए थे। गार्ड की नजर घायल यात्री पर पड़ते ही रेलवे अमले को सूचना दी गई।

इसके बाद गुरमखेड़ी स्टेशन से स्ट्रेचर मंगवाया गया। सफाईकर्मियों और आरपीएफ स्टाफ की मदद से घायल यात्री को सुरक्षित ट्रेन के गार्ड कोच में बैठाया गया। इसके बाद गार्ड ने आवश्यकतानुसार ट्रेन को रुकवाते हुए घायल यात्री को पिपरिया स्टेशन तक पहुंचाया। पिपरिया स्टेशन पर वाणिज्य विभाग के स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य और आरपीएफ स्टाफ ने घायल यात्री को अटेंड किया।

आर्यमन सोलंकी ने नीट में एमपी में किया टॉप

हरिभूमि, जबलपुर।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर आईएमए हाउस जबलपुर में गणेशोत्सव श्रद्धा और उत्साह के



साथ मनाया गया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा एवं डॉ. अरविंद शर्मा ने भगवान गणेश की स्थापना कर पूजन एवं आरती की।

इस अवसर पर पहली बार आईएमए परिवार के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता के लिए मेमेंटो देकर

आईएमए हाउस में गणेशोत्सव प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान

सम्मानित किया गया। NEET 2026 में मध्यप्रदेश में प्रथम और देश में 46वीं रैंक हासिल कर एम्स दिल्ली में प्रवेश पाने वाले डॉ. फणींद्र सोलंकी एवं डॉ. अनुपमा

विवान तिवारी और वेदांत अग्रवाल को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। बच्चों के साथ उनके माता-पिता का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्टेट आईएमए मध्यप्रदेश के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अरविंद जैन, प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. पुष्परज भट्टेल, सचिव डॉ. दीपक साहू सहित अनेक चिकित्सक मौजूद रहे। आयोजन समिति में डॉ. नीरज सेठी,

डॉ. शामिख राजा, डॉ. अक्षय तिवारी, डॉ. अमरेंद्र पांडे, डॉ. अक्षय सक्सेना और डॉ. मोहसिन अंसारी की सहभागिता रही। डॉ. ऋचा शर्मा के नेतृत्व में आईएमए हाउस में गणेशोत्सव का यह दूसरा आयोजन रहा। अंत में डॉ. ऋचा शर्मा एवं डॉ. शामिख राजा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

10 दिवसीय आयोजन में धर्मसभा, शास्त्र स्वाध्याय और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे

धर्मायतन में दशलक्षण महापर्व 16 से, पं. विपिन शास्त्री का मिलेगा सान्निध्य

जबलपुर। श्री महावीर स्वामी मार्ग स्थित श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिन मंदिर, धर्मायतन, गोलबाजार में दशलक्षण महापर्व का आयोजन 16 से 25 सितंबर तक धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया जाएगा। इस अवसर पर मुंबई के प्रसिद्ध विद्वान पं. विपिन शास्त्री का 15 सितंबर को दोपहर जबलपुर आगमन होगा। उनके विद्वत् सान्निध्य में दस दिवसीय आयोजन के दौरान धर्मसभा, शास्त्र स्वाध्याय सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। श्री वीतराग विद्वान मंडल के अध्यक्ष अशोक जैन, संजय जैन तथा जैन युवा फेडरेशन के अध्यक्ष अभिषेक जैन एवं सचिव संदीप जैन ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 7.15 से 10.30 बजे तक प्रक्षाल



अभिषेक, नित्य नियम पूजन, शास्त्र स्वाध्याय एवं तत्पार्थसूत्र कक्षा आयोजित होगी। वहीं शाम 7.30 से रात 10.30 बजे तक पाठशाला, जिनेंद्र भक्ति,

प्रतिक्रमण पाठ, शास्त्र स्वाध्याय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।17 सितंबर को श्री सुपाश्वर्नथ भगवान वर्म कल्याणक मनाया जाएगा। 19 सितंबर को श्री पुष्पदंत भगवान मोक्ष कल्याणक का आयोजन होगा। 22 सितंबर को दोपहर 2 बजे से जबलपुर के जिन मंदिरों की सामूहिक वंदना होगी। 25 सितंबर को अंनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्री वासुपुत्र्य भगवान मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा। 27 सितंबर को क्षमावाणी पर्व का आयोजन होगा। आयोजकों ने समाज के श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से महापर्व के सभी धार्मिक आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की दिलाई शपथ

जबलपुर रेल मंडल में मनाया गया हिंदी दिवस

हरिभूमि जबलपुर।

हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को जबलपुर रेल मंडल के मंडल रेल कार्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों एवं स्टेशनों पर राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रमों के माध्यम से रेलकर्मियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।

मंडल कार्यालय में राजभाषा अधिकारी गुनार सिंह ने रेलकर्मियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस दौरान महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के हिंदी दिवस संदेश-2026 का वाचन भी किया गया। कार्यक्रम में राजभाषा मास-2026 के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में रेलवे हॉस्पिटल नरसिंहपुर में भी हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें



रेलवे चिकित्सक डॉ. आर.आर. कुरें, रेलवे कर्मचारी एवं उनके परिजन शामिल हुए। वक्ताओं ने हिंदी के महत्व, प्रचार-प्रसार तथा दैनिक जीवन और कार्यस्थल पर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के

रूप में स्वीकार किया था। इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रमों के माध्यम से रेलकर्मियों और उनके परिजनों को हिंदी के प्रति सम्मान बढ़ाने तथा इसके अधिकाधिक प्रयोग का संदेश दिया गया। साथ ही नई पीढ़ी को हिंदी भाषा के अध्ययन और प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया।

राइट टाउन स्थित रेस्टोरेंट का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

सागर गेरे के किचन में मिली गंदगी प्रतिबंधित एनालॉग चीज भी जब्त

जबलपुर। मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने

एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया

कर लिए गए। इसके अलावा शिकायत के आधार पर राइट

कांटेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट एवं खाद्य सामग्री विक्रेय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण का अभियान जारी है। इसी क्रम में सोमवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने राइट टाउन स्थित सागर गेरे का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बिरयानी बनाने में एक दिन पूर्व का तैयार चावल उपयोग किया जाना पाया गया। वहीं किचन में साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। इन अनियमितताओं को लेकर प्रतिष्ठान को खाद्य सुरक्षा



जा रहा है। अधिकारी के अनुसार रेस्टोरेंट के स्टोर में प्रतिबंधित एनालॉग चीज भी मिली, जिसका उपयोग भोजन निर्माण में किया जाना बताया गया। मौके से एनालॉग चीज एवं सौंफ के नमूने जांच के लिए लिए गए, जबकि शेष 19 किलो एनालॉग चीज के पैकेट जब्त



टाउन स्थित विशाल मेगा मार्ट से सूजी एवं दलिया के पैकेट के नमूने भी जांच के लिए लिए गए हैं। सभी नमूने परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

फुलेहरा बांधकर किया भोलेनाथ का पूजन

सिहोरा। अखंड सौभाग्य एंव परिवार में सुख शांति के लिए सुहागन महिलाओं ने हरि तालिका तीज का व्रत रखा। कुंवारी कन्याओं ने भी अच्छा वर पाने दिन भर निर्जला व्रत रखा। इसी तरह अनेक स्थानों घरों में भगवान गणेश की प्रतिमा भी स्थापित की गई।

प्रत्येक पहर में किया पूजन

हर तालिका तीज को लेकर उत्साहित महिलाओं ने सोलह श्रृंगार घर घर में फुलेहरा बांधा तथा पूर्ण विधी विधान से भगवान भोलेनाथ एंव माता पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूजन किया एंव कथा सुनी तथा प्रत्येक पहर में चौ,दीही,शक्कर,दूध और शहद का पंचामृत बनाकर पूजन तथा आरती कर हवन लगाया सभी एंव सभी व्रति महिलाओं कन्याओं ने रतजगा कर भजन कीर्तन किया।



सुबह होते ही फिर से हवन पूजन कर फुलेहरा को नदी में जाकर विसर्जित किया और उपवास समाप्त किया।

अच्छे वर के लिए रखा

कंवारी कन्याओं ने भी व्रत

ऐसी मान्यता है कि माता पार्वती के पिता हिमवान भगवान विष्णु के साथ माता पार्वती की शादी कराना चाहते थे। यह माता

घर घर में रखा गया अखंड सौभाग्य का निर्जला व्रत तीजा



हरितालिका तीज पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

मझौली। अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना को लेकर महिलाओं ने हरितालिका तीज का व्रत श्रद्धा और उत्साह के साथ रखा। सुहागिन महिलाओं के साथ कुंवारी युवतियों ने भी निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर मेहंदी रचाई और समूह में तीज की कथा सुनी। शिव-पार्वती को सुहाग सामग्री, बेलपत्र, पुष्प एवं श्रृंगार सामग्री अर्पित की गई। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी आस्था के साथ महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोवांछित वर की कामना की। शाम को विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन हुए और वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मूर्तिकार हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र में मूर्तिकार मनोज सोनकर उर्फ बाबा (50) की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी निक्की चौधरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वारदात के समय निक्की मुख्य आरोपी शुभम मराठा के साथ मौके पर मौजूद था। इससे पहले पुलिस शुभम की बहन स्वाती राव उर्फ शीनू और सुमित चौधरी को गिरफ्तार कर चुकी है। हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने बताया कि पंजाब बैंक कॉलोनी निवासी निक्की चौधरी की वारदात में भूमिका जांच के दौरान सामने आई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस उससे हत्याकांड की साजिश और अन्य आरोपियों की भूमिका के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस जांच के



अनुसार, मनोज सोनकर की हत्या की साजिश स्वाती ने अपने पति सुब्बा राव, भाई शुभम मराठा और भरत यादव उर्फ चिंदू के साथ मिलकर रची थी। वहीं सुमित

चौधरी पर मनोज की रैकी करने, उसकी गतिविधियों की जानकारी आरोपियों तक पहुंचाने और वारदात के बाद उन्हें भागने में मदद करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 4 सितंबर की रात मनोज सोनकर मूर्ति बनाने में व्यस्त था। इसी दौरान शुभम मराठा और भरत यादव वहां पहुंचे और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। जांच में सामने आया है कि हत्या की साजिश स्वाती के घर पर तैयार की गई थी। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2021 में मनोज के बेटों अनिकेत और छोटू ने शुभम और स्वाती के भाई बिद्ध मराठा की चाकू मारकर हत्या की थी। इसी पुरानी रंजिश को मनोज की हत्या की वजह माना जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर हत्याकांड में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश और साजिश के बाकी पहलुओं की जांच कर रही है।

स्माइल फाउंडेशन एवं मोटुल के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जबलपुर। स्माइल फाउंडेशन एवं मोटुल के सहयोग से होटल सूर्य, तीनपती चौक स्थित पुराने बस स्टैंड में सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉ. जय रोहाणी ने किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता जरूरी है। शिविर में वाहन मैकेनिकों एवं उनके परिवारों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा जरूरत के अनुसार दवाइयां वितरित की गईं। बड़ी संख्या में मैकेनिकों और उनके परिजनो ने शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, हाथों की सफाई, मच्छरों से बचाव और बीमारियों की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। आयोजकों ने बताया कि समाज के अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए ऐसे शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे।



सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में महापौर ने की महाआरती

जबलपुर। श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में गणेश पर्व 2026 का शुभारंभ धार्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण में हुआ। गणेश चतुर्थी पर सुबह अभिषेक, पूजन, अथर्वशीर्ष पाठ, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर में श्री सुप्तेश्वर विकास समिति द्वारा जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान शिक्षा-अमन सिंह, वाराणसी परिवार द्वारा भगवान का पुष्प श्रृंगार किया गया। शाम को सीमा-राजेंद्र राय के यजमानत्व में अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हुआ। रात 7.30 बजे महाआरती में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्तु शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ भगवान श्री गणेश की आरती की। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। रात में सुप्तेश्वर महिला मंडल द्वारा हरितालिका तीज पूजन और प्रसादी का आयोजन किया गया। महाआरती में बड़ी संख्या में गणेश भक्त एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एमपी ट्रांसको की पारेषण क्षमता बढ़कर 85,488 एमवीए हुई

मूंदी सबस्टेशन में 50 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

जबलपुर। प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने खंडवा जिले के 132 केवी मूंदी सबस्टेशन में 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। इसके साथ ही प्रदेश में एमपी ट्रांसको की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 85,488 एमवीए हो गई है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि नए ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से मूंदी सबस्टेशन की क्षमता 40 से बढ़कर 90 एमवीए हो गई है। इससे क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य के विद्युत लोड का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। साथ ही बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ेगी। अतिरिक्त ट्रांसफार्मर से निमाड़ क्षेत्र के ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी मजबूती मिली है। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि कंपनी प्रदेश में 417 परेस्प्टा हाई वोल्टेज सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत आपूर्ण व्यवस्था संचालित कर रही है। इनमें 400 केवी के 14, 220 केवी के 88 और 132 केवी के 315 सबस्टेशन शामिल हैं। कंपनी के पास वर्तमान में



कुल 1,056 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील हैं। इनमें 400 केवी स्तर के 41, 220 केवी के 220 तथा 132 केवी स्तर के 795 पावर ट्रांसफार्मर शामिल हैं। मूंदी सबस्टेशन में 50 एमवीए क्षमता वृद्धि से प्रदेश की कुल पारेषण क्षमता में भी इजाफा हुआ है। यह वृद्धि प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग की पूर्ति और भविष्य के लोड प्रबंधन में महत्वपूर्ण साबित होगी।

श्रीमती मंदो बाई चक्रवर्ती- गौतम मडिया गढ़ा निवासी श्री मिठाई लाल चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती मंदो बाई चक्रवर्ती (90) का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार चौहानी मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती चिंतामणी राय- मानव लोक सोसायटी रतन नगर निवासी श्री चंद्रमोहन राय की धर्मपत्नी श्रीमती चिंतामणी राय (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अशोक कलार- गोरखपुर राम मंदिर के पास निवासी श्री मुन्ना कलार के पुत्र श्री अशोक कलार (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री जीतेंद्र मुंडा- चेतना मैदान बिलहरी निवासी श्री नारायण मुंडा के पुत्र श्री जीतेंद्र मुंडा (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती चंद्रकांता- पंसारी



मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री शरद कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री राकेश धुर्वे- राजीव नगर कटंगा निवासी श्री शिव प्रसाद धुर्वे के पुत्र श्री राकेश धुर्वे (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री संदीप गौड़- चांदमारी तलेया लालमाटी निवासी श्री रोहित गौड़ के पुत्र श्री संदीप गौड़ (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री अजीत कुशवाहा- संजय नगर अंधारताल निवासी श्री शारदा प्रसाद कुशवाहा के पुत्र श्री अजीत कुशवाहा (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री चंदन चौधरी- सिद्धनगर राधाकृष्णन वाई निवासी श्री सोखी लाल चौधरी के पुत्र श्री चंदन चौधरी (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री बलराम गंधीरराव ठाकरे-

कांचीपुरम कॉलोनी मडई व्हीकल निवासी श्री बलराम गंधीरराव ठाकरे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राकेश कुमार- सिद्धबाबा वाई निवासी श्री प्रीतम कुमार के पुत्र श्री राकेश कुमार (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री किशन लाल मक्कड़- टैगोर नगर बादशाह हक्काई मंदिर मोड़ गौरीघाट रोड निवासी श्री किशन लाल मक्कड़ (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री विनोद सोनी- झिन्ना मोहल्ला राधाकृष्णन वाई निवासी श्री विनोद सोनी (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विमला बाई- मलिक कम्पाउंड सदर निवासी श्री सुखलाल की धर्मपत्नी श्रीमती विमला बाई (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री ज्ञानचंद- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री ज्ञानचंद (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री हुकुमत उच्चवानी- नेपियर टाउन निवासी श्री हुकुमत उच्चवानी (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री कमलेश्वर- शास्त्री वाई टेंद्री नीम निवासी श्री कमलेश्वर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री देव कुमार- सुहागी अधारताल निवासी श्री देव कुमार (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अमर कोरी- पोलीपाथर टंकी नं. 2 के पास निवासी श्री रूप लाल कोरी के पुत्र श्री अमर कोरी (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती गुड्डी बाई- संजय नगर अधारताल निवासी श्री शंभू लाल की धर्मपत्नी श्रीमती गुड्डी बाई (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री विजय शर्मा- कछपुरा स्टेशन के पास निवासी श्री गोविंद प्रसाद शर्मा के पुत्र श्री विजय शर्मा (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
अपन कलाज
400/-
प्रति कलाज है.जी

विजय राहुज:- 1000 से.जी.
विजय राहुज:- 1000 से.जी.
विजय राहुज:- 1000 से.जी.

वैकल्लसईट्ट 300/-
रंजीन 400/-
रंजीन 1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303108294, 9407362160



मदन महल दरगाह में परचम कुशाई

17 को लगेगा ग्यारहवीं शरीफ का पहला मेला

जबलपुर। मदन महल पहाड़ी स्थित हजरत पीराने पीर की दरगाह में माह-ए-रबीउल आखिर की पहली तारीख पर सोमवार को नमाज-ए-असर के बाद मुतवल्ली सैयद कादिर अली कादरी की कयादत में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। इसके बाद सलातो-सलाम और दुआएं की गई तथा अकीदतमंदों में तबर्क वितरित किया गया। इस अवसर पर सज्जानाशन सूफी मुबारक कादरी, निजाम कादरी, बासित कादरी, इनायत कादरी, आबिद कादरी, अब्दु बाबा कादरी, शराफत कादरी, आशु कादरी, जलील शाह और शाहरुख खान सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। सज्जानाशन खलीफा इनायत कादरी ने बताया कि 17 सितंबर, गुरुवार को ग्यारहवीं शरीफ का पहला मेला आयोजित होगा। इसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद दरगाह पहुंचकर हाजिरी पेश करेंगे।

सिहोरा में चार बहनों ने बनाई मिट्टी से बाल गणेश की प्रतिमा

इको-फ्रेंडली गणेश का दिया संदेश

सिहोरा। गणेश उत्सव के पूर्व सिहोरा में पिहू यादव,आर्या यादव, पुष्पांजलि यादव और श्रेया यादव चारों बहनों ने मिलकर मिट्टी से घर पर बाल गणेश की प्रतिमा बनाई।पार्यावरण बचाने के लिए पीओपी की जगह मिट्टी की मूर्ति बनाई।चारों बहनों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से घर के आंगन में बैठकर मिट्टी,प्राकृतिक रंग और गाय के गोबर के लेप से यह मूर्ति तैयार की गई। मूर्ति के कानों पर ॐ का प्रतीक बनाया गया है जो शंति और मंगल का प्रतीक है। पिहू ने कहा - "हमने तय किया कि इस बार प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति नहीं बल्कि पूरी तरह मिट्टी कीमूर्ति बनाएंगे ताकि विसर्जन के समय जल प्रदुषित न हो।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं में पर्यावरण संरक्षण का यह संदेश प्रेरणादायी है। गणेश उत्सव समिति के सदस्य राजेश यादव ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ अन्य बच्चों को भी प्रकृति के प्रति जागरूक बनाएंगी।



आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहें युवा: प्रदीप जोशी

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे देश की आंतरिक सुरक्षा एवं सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक और सजग रहें। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में युवा शक्ति की सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण है।

जोशी एनआईटीटीआर के सभागार में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक फेा परिषद, मध्य भारत प्रांत एवं पुरुषार्थ सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘आंतरिक सुरक्षा, मीडिया एवं नागरिक दायित्व’ विषयक विशेष सेमिनार को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सुरक्षा विशेषज्ञों, पूर्व सैनिकों, वरिष्ठ पत्रकारों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, युवाओं एवं नागरिक समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों ने सहभागिता की। आंतरिक

» एनआईटीटीटीआर में सेमिनार के दौरान बोले संघ के अभा सह प्रचार प्रमुख



एनआईटीटीटीआर में सेमिनार के दौरान उद्बोधन देते अभा सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ।



सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर लेफ्टिनेंट जनरल मानवेन्द्र सिंह, ऋषि कुमार शुक्ला, पूर्व निदेशक, मप्र पुलिस, लेफ्टिनेंट जनरल वीके चतुर्वेदी एवं मेजर जनरल टीपीएस रावत ने अपने विचार रखे। बदलते सूचना एवं मीडिया परिदृश्य से जुड़े विषयों पर डॉ. लोकेंद्र सिंह, प्राध्यापक, माखनलाल

चतुर्वेदी विश्वविद्यालय, अखिलेश श्रीवास्तव, चिंतक एवं मीडिया विमर्शकार, ज्ञानेंद्र तिवारी, हरिभूमि के यूनिट हेड नीरज पांडे ने विचार व्यक्त किए। फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाओं, सूचना के तीव्र प्रसार तथा डिजिटल माध्यमों से उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

‘राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका एवं दायित्व’ विषय पर इन्होंने रखे विचार

‘राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका एवं दायित्व’ विषय पर पूर्व न्यायाधीश एमपी तिवारी, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग प्रियांक कानुनगो, निदेशक, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान डॉ. चंद्र चारु त्रिपाठी, तथा प्राध्यापक रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय अमिताभ सक्सेना ने अपने विचार रखे। सेमिनार में पूर्व सैनिकों के साथ एनसीसी कैडेट्स, संघ, शिक्षा एवं मीडिया जगत से जुड़े प्रतिनिधि, अधिवक्ता तथा मातृशक्ति की सहभागिता रही। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श में भाग लिया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष बिगेडियर शिवेंद्र सिंह एवं पुरुषार्थ सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बदरगुनिया ने समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, पूर्व सैनिकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं युवाओं की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सफलता पर सभी सहभागियों को बधाई दी।

हर बालक को भारत की मिट्टी और परम्परा का संस्कार देना है विद्या भारती का कार्य: डॉ. कृष्णगोपाल

जबलपुर। विद्या भारती के विद्यालयों में इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक सफलता प्राप्त की है, किन्तु परीक्षा परिणामों की सफलता तक ही हमें सीमित नहीं रहना है। हमें हर बालक को भारत की मिट्टी और भारत की परम्परा का संस्कार देना है जिससे वह श्रेष्ठ नागरिक के रूप में अपने परिवार, अपने समाज और अपने देश के प्रति अपनेपन के भाव से अपना सर्वस्व अर्पित करने के लिए समर्पित हो। यह विचार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन अवसर पर व्यक्त किए। डॉ.कृष्णगोपाल ने कहा कि यह आनंद का विषय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में विद्या भारती अपने कर्तव्य का पालन कर रही है।



विद्या भारती की बैठक में डॉ. कृष्णगोपाल ने रखे विचार ।

देश के 685 जिलों में विद्या भारती

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अ.भा.महामंत्री देशराज शर्मा ने बताया कि विद्या भारती का कार्य देश के 685 जिलों में चल रहा है। संपूर्ण देश में लगभग 24000 औपचारिक/अनौपचारिक विद्यालयों में इस वर्ष की छात्र संख्या 37 लाख रही है। 1 लाख 70 हजार से अधिक शिक्षक इनके अध्यापन कार्य में लगे हैं।

सीएम कल देंगे प्रदेश के 7,500 विद्यार्थियों को स्कूटी की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत 16 सितंबर को भोपाल से मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का वितरण करेंगे। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बुधवार को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। इससे विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। साथ ही, कॉलेज आने-जाने में भी सहूलियत होगी। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर, भोपाल में सुबह 10 बजे से होगा। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान आना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। योजना अंतर्गत शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,500 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का लाभ मिलेगा। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना अंतर्गत अब तक प्रदेश के 23,000 से अधिक पात्र विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के संचालन पर अब तक लगभग 246 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं।

सिंधु भवन में प्रादेशिक सिंधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संघर्षों के बावजूद अपनी पहचान बनाए रखने वाले सिंधी समाज पर सभी को गर्व

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंधी समाज समाज की जीवटता, कर्मठता और अपने स्वभाव से सबका दिल जीतने की क्षमता प्रशंसनीय है। सिंधी समाज का पिछला 80 वर्ष का समय कठिनाइयों और संघर्ष से भरा रहा। समाज ने विभाजन की विभीषिका झेली, जन्मभूमि-घर और कारोबार छोड़ा पर समाज बंधुओं का हौसला, धर्म और संस्कार कभी नहीं छूटे। चुनौतियों को अवसर में बदलकर अपनी पहचान और गौरव को बनाये रखने वाले सिंधी समाज पर सभी को गर्व है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल के सिंधु भवन में आयोजित प्रादेशिक सिंधी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद शंकर ललवानी, विधायक भगवानदास सबनानी, मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी, प्रांतीय सिंधी सम्मेलन के कार्यक्रम संयोजक ईश्वर झामनानी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधी समाज में फिनक्स पक्षी के समान पुनः उठ खड़े होने की क्षमता है। समाज ने अपनी इसी क्षमता के आधार पर ही अपने लिए नए अवसरों का सृजन किया है। सिंधी समाज के महापुरुषों जैसे राजा दाहिर, संत कंवर राम और शहीद हेमु कालानी की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल कर हमने अपना वादा निभाया है।

खास बातें

- सिंधी समाज का पिछला 80 वर्ष का समय कठिनाइयों और संघर्ष से भरा रहा
- चुनौतियों को अवसर में बदलना इनकी विशेषता



सिंधी सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते मुख्यमंत्री ।

» सरकार सिंधी भाषा व संस्कृति के संवर्धन के लिए सदैव तत्पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंधी समाज के पास व्यापारिक कुशलता और बिजनेस माइंडसेट होने के साथ-साथ समाज सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में नवाचार करने की क्षमता है, समाज के लोग विभिन्न क्षेत्रों में अवाणी भूमिका निभा रहे हैं। राज्य सरकार सिंधी समाज के अधिकारों के संरक्षण, सिंधी भाषा व संस्कृति के संवर्धन के लिए सदैव तत्पर है। हमारी सरकार संवाद से समस्याओं के समाधान में विश्वास रखती है।

17 सितंबर से आरंभ होगा सेवा से संकल्प अभियान



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के बतौर कुशल प्रशासक 25 वर्ष पूर्ण होने पर उनके जन्म दिवस 17 सितंबर से प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान आरंभ किया

जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 लाख लोगों को निःशुल्क रजिस्ट्री करने का कार्य संपूर्ण प्रदेश में हो रहा है। इस प्रक्रिया में स्टम्प ड्यूटी राज्य सरकार की ओर से भरी जाएगी। यह राशि लगभग 5 हजार करोड़ रुपए होगी। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान के तहत प्रथमतः ग्रामीण आबादी को उनकी सम्पत्ति की रजिस्ट्री कर राजस्व विभाग के माध्यम से दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे। अगले चरण में शहरी क्षेत्र के भू-खण्डों की रजिस्ट्री की जाएगी।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड में आएगी खुशहाली



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड क्षेत्र को केन बेतवा लिंक परियोजना सहित अन्य बड़ी सौगातें मिली हैं। इससे क्षेत्र में खुशहाली और नागरिकों के जीवन स्तर में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि पन्ना महाराज छत्रसाल और भगवान श्री जुगल किशोर की नगरी है। यह एकमात्र धरती है, जहां हीरा मिलता है, विश्व प्रसिद्ध पेंटन स्थल पन्ना नेशनल पार्क में बाघ पुनर्स्थापना की बढौलत बाघों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सीएम पन्ना में आयोजित 28वीं बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को वरुंअली संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने किसानों संवाद किया और बताया कि कृषक हित में कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। सीएम ने कहा कि बलराम महोत्सव के आयोजन से किसानों को बहुत लाभ मिलेगा। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक कृषि सहित नवाचार तकनीकों की जानकारी से बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित होंगे। पवई बांध, मझगांव और रंझ सहित कई लघु सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने उद्यानिकी खेती अपनाने की अपील करते हुए किसानों से प्राकृतिक खेती की भी प्रोत्साहन देने की अपील की। उन्होंने किसानों से अतिरिक्त आय के अवसर के रूप में पशुपालन और अन्य गतिविधियां अपनाने पर जोर दिया। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का जिक्र करते हुए गौशाला की राशि में बढ़ोतरी की जानकारी भी दी।

हाइवे पर जुटी भीड़, मचा हड़कंप, लोगों ने बनाए वीडियो कैंदई रेंज के चोटिया में नेशनल हाइवे पर अचानक सामने आया लोनर हाथी

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

गणेश उत्सव की धूम के बीच कैंदई रेंज के चोटिया में नेशनल हाइवे पर अचानक लोनर हाथी के पहुंचने से हड़कंप मच गया। हाइवे पर हाथी दिखते ही लोगों की भीड़ जुट गई और मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। सैल्फ़ी के चक्कर में कई लोग जान जोखिम में डालते नजर आए, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।



बताया जा रहा है कि लोगों के ज्यादा करीब आने पर लोनर हाथी आक्रामक हो गया और अचानक दौड़ लगा दी। वीडियो बना रहे लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने

लगे। कुछ सेकंड में हाइवे पर ऐसा नजारा बना जैसे मेराथन दौड़ हो रही हो। मौके पर मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे बांसबाड़ी है, जहां भोजन की तलाश में हाथी अक्सर आ जाते हैं। इसलिए चोटिया मुख्य मार्ग पर हाथियों का दिखना आम है, लेकिन लोनर हाथी ज्यादा खतरनाक माना जाता है।

‘आशीर्वाद का दीया’ से लेकर रक्तदान तक होंगे सेवा के विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने रविवार को बैतूल जिला भाजपा कार्यालय ‘विजय भवन’ में जिला पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ‘सेवा संकल्प अभियान’ की जिला टोली के सदस्यों की बैठक को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को अभियान के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता से जुटना है। उन्होंने अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से सक्रिय

प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी ने बैतूल भाजपा कार्यालय विजय भवन में की बैठक



प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी ने विजय भवन में की बैठक ।

सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अभियान के अंतर्गत स्कूलों में राष्ट्रव्यापी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ‘सेवा स्मरण’ कार्यक्रम के अंतर्गत संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, संघर्ष और सेवा-यात्रा को राष्ट्रव्यापी चित्रकला एवं भाषण 17 सितंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रदेशभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों को दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि गणेश चतुर्थी सामाजिक एकता, सौहार्द और लोक संस्कृति के संवर्धन का पर्व है। यह पर्व विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता तथा बुद्धि, विवेक, समृद्धि और सौभाग्य के अधिष्ठाता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना एवं आराधना का उत्सव है। भगवान गणेश की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सद्बुद्धि और नई आशा का संचार होता है।

गंभीर रूप से झुलसी युवती अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवक ने युवती को जिंदा जलाया, आरोपी की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक युवक ने युवती पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसी पीड़िता को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में युवती का इलाज चल रहा है। पीड़िता जब अचानक आग की लपटों में घिर गई, तो उसने बचाव के लिए जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया। उसकी आवाज



सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। इसके बाद झुलसी हुई युवती को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। आग की चपेट में आने से पीड़िता के शरीर के कई हिस्से गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सूचना मिलने के बाद माना थाने की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने मौके का जायजा लेकर स्थानीय लोगों से पूछताछ की और घटना से जुड़ी जानकारीयें जुटाने का काम शुरू कर दिया।

युवती पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

पुलिस जांच के दौरान आरोपी की पहचान वीरू धीवर के रूप में हुई है। आरोपी युवती के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। जब युवती ने इस अभद्र आचरण का कड़ा विरोध किया, तो दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर युवती पर पेट्रोल डुलकर आग लगा दी। पीड़िता के बयान और मौके पर सामने आए तथ्यों के आधार पर माना थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और हत्या के प्रयास की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। वारदात के बाद से ही आरोपी मौके से फरार है। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की टीमें उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है। पुलिस यह स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है कि घटना के समय मौके पर कौन-कौन लोग उपस्थित थे और वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी किस दिशा में भागा था।

- हथबंद गांव में स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय की घटना
- नहीं सह सका जर्जर गिरि भारी गेट का वजन

गेट और उसको सहारा देने वाला पिलर लंबे समय से जर्जर स्थिति में था। जर्जर पिलर कमजोर होने के कारण लोहे के भारी गेट का वजन सहन नहीं कर सका और अचानक ढह गया।

मुचलका पाबंद की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, जांच जारी

स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधि की सूचना, पहुंची पुलिस की टीम

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग



जिले के भिलाई के नेहरू नगर स्थित सूर्या मॉल के सेकेंड फ्लोर पर संचालित एक स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधि की सूचना पर पुलिस ने औचक जांच की। दुर्ग शहर एएसपी शोभराज अग्रवाल के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर सेंटर की गतिविधियों की जांच की। पुलिस के पहुंचने पर स्पा सेंटर के अंदर करीब 7-8 युवतियां मौजूद मिलीं। टीम ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की और सेंटर की गतिविधियों की जांच की। पुलिस के अनुसार मौके से अनैतिक ढंग व्यापार से जुड़ी कोई पुष्टि नहीं हुई। हालांकि, पुलिस ने सेंटर में मौजूद युवतियों और संचालक के खिलाफ बाउंड ओवर यानी मुचलका पाबंद की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

प्रबंधन ने काट दिया था बिजली-पानी का कनेक्शन

बताया जा रहा है कि मॉल प्रबंधन की ओर से स्पा सेंटर का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया था। इसके बावजूद सेंटर के भीतर लोगों की मौजूदगी मिली। इसके तत्कालीन पुलिस ने मौके पर जानकारी जुटाई। पुलिस ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम स्पा सेंटर की जांच के लिए पहुंची थी। मौके पर युवतियां मिलीं, जिसके बाद संचालक और मौजूद युवतियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पा सेंटर संचालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी है।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ बड़ौदा के नए ऐप से बोलकर भुगतान

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप में वॉयस कमांड सुविधा जोड़ी है, जिससे ग्राहक बोलकर भुगतान लेनदेन की शुरुआत करने के साथ उसे पूरा कर सकेंगे। बैंक ने बयान में कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित ‘बॉब वर्ल्ड 2.0’ ऐप में व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन मॉड्यूल भी है।

एनएसई में हिस्सा बिक्री से ओरिएंटल इंश्योरेस फायदे में नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनी ओरिएंटल इंश्योरेस कंपनी चालू वित्त वर्ष 2026-27 में मुनाफे में लौटने की राह पर है। कंपनी को यह बढ़त इस सप्ताह खुलने वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में अपनी हिस्सेदारी बेचने से मिलेगी।इसके अलावा, इससे कंपनी को नकदी भी मिलेगी।

चीनी की खुदरा कीमत 60 रुपए प्रति किलोग्राम से नीचे पहुंची



- देशभर में चीनी की औसत कीमत में आई गिरावट
- त्योहार से जुड़ी मांग के कारण कुछ स्थानों पर दबाव बना हुआ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार के कई उपायों के बाद सोमवार को देशभर में चीनी की औसत खुदरा कीमत लगातार चौथे दिन 60 रुपये प्रति किलोग्राम से कम रही। हालांकि, त्योहारों से जुड़ी मांग के कारण कुछ क्षेत्रों में कीमतों पर बढ़ने का दबाव बना हुआ है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीनी की औसत खुदरा कीमत सोमवार को 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो एक दिन पहले 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम थी। शुक्रवार को चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई थी और पिछले तीन दिनों में इसमें और नरमी आई है। औसत खुदरा कीमत अब भी 58.23 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। 21 अगस्त को यह कीमत इतनी थी, जब केंद्र ने पहली बार चीनी के आयात की अनुमति दी थी और मिठास देने वाली इस वस्तु की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए अन्य कदम उठाए थे। सोमवार को अधिकतम खुदरा कीमत 85 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही, जबकि न्यूनतम कीमत 40 रुपये प्रति किलोग्राम थी। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में खुदरा कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि तमिलनाडु और केरल में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

महाराष्ट्र में औसत कीमत 58.22 रुपए प्रति किलो

महाराष्ट्र में औसत खुदरा कीमत 59 रुपये से घटकर 58.22 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 59.64 रुपये से घटकर 57.88 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अन्य राज्यों की बात करें तो मध्य प्रदेश में कीमतों में अधिक गिरावट दर्ज की गई। वहां चीनी की कीमत 62.36 रुपये से घटकर 56.57 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

भारत में बनी मारुति का जापान को निर्यात एक लाख इकाई पार



एजेंसी ►► मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया की भारत में बनी पांच दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा का जापान को किया गया कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंच गया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी और उन्नत वाहन बाजारों में से एक जापान को अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स का निर्यात शुरू किया था। इसके बाद दिसंबर 2024 में पांच दरवाजे वाली जिम्नी का निर्यात शुरू किया गया। कंपनी का पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) ई-विटारा सितंबर 2025 में इस निर्यात सूची में शामिल हुआ। इससे सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका और मजबूत हुई है। पांच दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में किया जाता है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि भारत में बने वाहनों को मिल रही बढ़ती स्वीकार्यता के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में मात्रा के लिहाज से जापान

मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। 'पांच दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा का जापान को एक लाख से अधिक निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की मजबूत पुष्टि है। यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण और उन्नत वाहन बाजारों में से एक है।'

ओडिशा का ओमफेड जल्व ही आइसक्रीम पेश करेगा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मलिक ने सोमवार को कहा कि ओम्फेड जल्व ही आइसक्रीम और बोटलबंद पानी की पेशकश करेगा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मलिक ने कहा कि ओडिशा राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (ओमफेड) के ब्रांड के तहत आइसक्रीम की पेशकश करने पर बातचीत चल रही है। और निदेशक मंडल जल्व ही इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि ओम्फेड ब्रांड के तहत बोटलबंद पानी बनाने की भी योजना है। मंत्री ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में दूध और पनीर में मिलावट की हालिया खबरों के बीच ओम्फेड के दूध की गुणवत्ता के बारे में भी बात की।

घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया

अगले 30 माह में हरित म्यूनिसिपल बांड से 10,000 करोड़ रुपए जुटाने की संभावना

एजेंसी ►► मुंबई

देश के शहरी निकाय अगले 30 माह में हरित म्यूनिसिपल बांड के जरिये करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटा सकते हैं। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। इक्रा रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 से 2029-30 के दौरान शहरी बुनियादी ढांचे में 56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की जरूरत होगी।

इसमें से तीन लाख करोड़ रुपये तक वाणिज्यिक ऋण वित्तपोषण के जरिये जुटाए जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में म्यूनिसिपल और हरित

नगर निकाय पूंजी बाजार तक पहुंच पाएंगे

पर्याप्त ऋण गुणवत्ता, उचित वित्तीय खुलासे, पुनर्भूगतान की स्पष्ट संभावना, परियोजनाओं की तैयारी और लेनदेन संबंधी तैयारी वाले नगर निकाय ही टिकाऊ तरीके से पूंजी बाजार तक पहुंच बना सकेंगे। उसने कहा कि व्यापक बुनियादी ढांचा जरूरतों के बावजूद बाजार में पहुंच की आवश्यक शर्तें निवेश-योग्य शहरी निकायों के दायरे को काफी सीमित कर सकती हैं।

हरित बांड में पांच गुना तक अभिदाान मिला

रिपोर्ट में कहा गया कि हाल के निर्गम से ऐसे हरित बांड में निवेशकों की रुचि का पता चलता है। हाल के हरित बांड निर्गम में पांच गुना तक अभिदाान मिला है। इक्रा ने कहा कि हरित बांड ने सरकारी प्रतिक्रितियों की तुलना में 1.90 प्रतिशत अंक तक और राज्य सरकार की प्रतिक्रितियों की तुलना में 1.55 प्रतिशत अंक तक अधिक प्रतिफल की पेशकश की है।

खास बातें

- वित्त वर्ष 2026-27 से 2029-30 तक 56 लाख करोड़ निवेश की जरूरत होगी
- इसमें तीन लाख करोड़ रुपए तक वाणिज्यिक वित्त पोषण से होगा
- ऐसी स्थिति में म्यूनिसिपल व हरित बांड की भूमिका महत्वपूर्ण होगी



हरित वित्त पोषण को लेकर निवेशकों की रुचि बढ़ रही

एजेंसी ने कहा कि ये रुझान नगरी निकायों के हरित वित्तपोषण को लेकर निवेशकों की रुचि बढ़ने का संकेत देते हैं। हालांकि, बाजार के विस्तार में पूंजी की उपलब्धता की तुलना में आपूर्ति पक्ष से जुड़ी बाधाएं अधिक महत्वपूर्ण अड़चन बनीं हुई हैं। इक्रा ने कहा कि नीतिगत समर्थन और बाजार विकास से जुड़ी पहल धीरे-धीरे आपूर्ति पक्ष की इन बाधाओं को दूर करने में मदद कर रही हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म.प्र. प्रारूप V (नियम 10 देखें)				
धारा 19(1) के तहत पुनर्वसन एवं पुनर्व्यवस्थापन घोषणा का प्रकाशन सचिव, राजस्व विभाग				
क्रमांक 1744/भू-अर्जन/2026		नरसिंहपुर, दिनांक-13/08/2026		
रा.मा.क्र. 0009/अ-82/2025-26 मौजा ग्राम-कैलकच्छ प.ह.नं. 11 नं.ब. 271 तहसील साईखेड़ा				
जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु ग्राम – कैलकच्छ प.ह.नं. 11 नं.ब. 271 तहसील साईखेड़ा जिला नरसिंहपुर के कुल 11.114 हे. भूमि अपेक्षित है। इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो 11.114 हे. है ग्राम – कैलकच्छ तहसील साईखेड़ा जिला नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत व्यौरा निम्नलिखित है :-				
अनुसूची- 2				
क्रं.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जित रकम (हे.)
1	2	3	4	5
1	श्री देवरामचंद्र जी मंदिर कैलकच्छ सरवरहाकर राममहेश पिता सुखराम ब्रा पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश निजी संस्था	भूमिस्वामी	71(S)	0.160
			34(S)	0.340
			43(S)	0.233
2	रेवासिंह पिता रघुवीर सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	69(S)	0.004
3	मेहरबान सिंह पिता प्रेमसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	67(S)	0.004
4	पहलवान सिंह पिता मुल्लू सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	15/1(S) 16/1, 17 18/1	0.121
5	कोमल पिता चुन्नीलाल जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	15/2/1(S)	0.065
6	नारायण पुत्र केहरसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	15/3(S)	0.012
7	भावसिंह पिता नर्मदासिंह, जसमन सिंह पिता नर्मदासिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	12(S)	0.430
8	नेपाल सिंह पिता शंकरसिंह जाति राजपूत पता खेरूआ साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिस्वामी	10(S), 11	0.470
9	संतोष पिता त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश प्रेमबाई पुत्री उमदे सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुरमध्य प्रदेश शीलाबाई पुत्री उमदे सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश कृष्णपाल पिता त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश शिवाबाई पुत्री उमदे सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश ललताबाई बेवा गजेन्द्र सिंह जाति राजपूत उमदे सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश विजयबाई पुत्री उमदे सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश राजकुमार पिता त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश कौशली-बाई पुत्री त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश महेंद्र सिंह पिता त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश मनोरमाबाई पुत्री त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश अखलेश पिता त्रिभुवन सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	20/2(S) 8/2(S) 6(S)	0.100 0.196 0.214
10	केहरसिंह पिता खेतसिंह जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश रामसिंह पता खेतसिंह जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश राजेन्द्रसिंह पिता खेतसिंह जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	8/1(S)	0.688
11	रामवती बेवा पन्नालाल जाति नौरिया,गनेश पिता पन्नालाल जाति नौरिया, राधेश्याम पिता पन्नालाल जाति नौरिया, भूरीबाई पुत्री पन्नालाल जाति नौरिया, लखन पिता पन्नालाल जाति नौरिया पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	3(S) 4	0.022
12	सुय्यार पिता मोहन जाति राजपूत, इन्द्रनारायण पिता मोहन जा राजपूत पता कैल-कच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश अतरसिंह पिता मोहन जाति राजपूत पता खेरूआ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	5(S) 32(S) 105(S)	0.149 0.140 0.040
13	भरत पिता चंदनसिंह नौरिया संदीप पिता चंदन सिंह नौरिया ज्ञानोबाई बेवा चंदन सिंह नौरिया तखतसिंह पिता बलीराम नौरिया सुमंत्राबाई पुत्री बलीराम नौरिया अरविंद पिता चंदनसिंह नौरिया रामसिंह पिता बलीराम नौरिया बहोरीलाल पिता बलीराम नौरिया पता खेरूआ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश कृष्णाबाई बेवा कंछेदीलाल नौरिया जाति अन्यरामदयाल पिता कंछेदीलाल नौरिया जमनाप्रसाद पिता कंछेदीलाल नौरिया जीवनलाल पिता कंछेदीलाल नौरिया सोमनाथ पिता कंछेदीलाल नौरिया पता देवरी रायसेन मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	2/2(S)	0.500
14	रामप्रसाद पिता छोटेलाल जाति दीमर, हरिशंकर पिता छोटेलाल जाति दीमर पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश, तीजाबाई पुत्री छोटेलाल जाति दीमर, मुन्नीबाई पुत्री छोटेलाल जाति दीमर, हल्कीबाई पुत्री छोटेलाल जाति दीमर पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	2/1(S)	0.498
15	इमरतलाल पिता सददू जाति दीमर पता खेरूआ गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	2/3(S)	0.235
16	मुन्नीबाई पुत्री दलेपसिंह जाति राजपूत, गुलजारसिंह पिता दलेपसिंह जाति राजपूत, रामकुंवरबाई पुत्री दलेपसिंह जाति राजपूत, चैनबाई पुत्री दलेपसिंह जाति राजपूत, छोटसिंह पिता दलेपसिंह जाति राजपूत, रामरजबाई पुत्री दलेपसिंह जाति राजपूत, शांतिबाई पुत्री दपसिंह जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश, गुडडीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, लक्ष्मीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, अनीता बाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, सविताबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, संगीताबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, भारतीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, गिरजाबाई बेवा अनरथ सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	33/1(S) 35/1(S) 33/2(S) 35/2(S)	0.028 0.060 0.014 0.040
17	हरगोविंद पिता नन्हैवीर पता कैलकच्छ सांइखेडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश पुनिया पली शंकर पता कैलकच्छ सांइखेडा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश मूगावाई बेवा वुधे पता कैल कच्छ सांइखेडा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	36/2(S)	0.060

क्रं.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जित रकबा (हे.)
18	कोमल पिता दौलत सिंह जाति राजपूत रघुनाथ पिता दौलत सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश मानाबाई पुत्री दौलत सिंह राजपूत पता पीपरपानी साईखेडा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश मालतीबाई पुत्री दौलत सिंह राजपूत पता वीशाबाड़ी उदयपुरा रायसेन मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	36/3(S)	0.045
			39/1(S)	0.152
19	कमलेश पिता हल्के जाति राजपूत पता कैलकच्छ साइखेडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	39/3(S)	0.060
			108(S)	0.005
20	भैयाराम पिता मानसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	39/2(S)	0.252
			107/2(S)	0.006
			47/2(S),48/2	0.150
21	विजय सिंह पिता दलेपसिंह राजपूत पता कैलकच्छ साइखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	140(S)	0.024
22	मेहरबानसिंह पिता प्रेमसिंह जाति राजपूत, नर्मदासिंह पिता प्रेमसिंह जाति राजपूत, श्यामसिंह पिता प्रेमसिंह जाति राजपूत, मोहकसिंह पिता प्रेमसिंह जाति राजपूत, कुँवरबाई बेवा प्रेमसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साइखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश,	भूमिस्वामी	42(S)	0.193
23	गुडडीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत,लक्ष्मीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत नीताबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत,सविताबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत संगीताबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, भारतीबाई पुत्री अनरथ सिंह जाति राजपूत, गिरजाबाई बेवा अनरथ सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साइखेडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	88/3(S)	0.026
			89/3,	
			90/3	
			91/3,	
			92/3,	
24	राजेन्द्र सिंह पिता गुलजार सिंह जाति राजपूत, गिरवर सिंह पिता भूमिव गुलजार सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साइखेडा नरसिंहपुर	भूमिस्वामी	88/2(S)	0.450
			89/2, 90/2	
			91/2, 92/2	
25	भरत पिता माखनसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साइखेडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	102(S)	0.041
			103/3(S)	0.049
			100(S)	0.368
			103/1(S)	0.130
			142(S),143	0.198
26	माखन सिंह पिता पन्नालाल जाति राजपूत पताकैलकच्छ साइखेडा नरसिंहपुर म. प्र.	भूमिस्वामी	103/2(S)	0.121
27	मुन्नीबाई पुत्री सुरतसिंह बाईसहाब पुत्री सुरतसिंह प्रहलादसिंह पिता कमोद सिंह माखनसिंह पिता कमोद सिंह लाखनसिंह पिता कमोद सिंह विक्रमसिंह पिता कमोद सिंह जाश्रीबाई पुत्री कमोद सिंह जयकुंअरबाई पुत्री कमोद सिंह प्रेमसिंह पिता मान सिंह यशपालसिंह पिता मानसिंह रामपालसिंह पिता मानसिंह आरतीबाई पुत्री मान सिंह ध्यानबाई पुत्री मानसिंह राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	146/3(S)	0.370
28	जय सिंह पिता हल्के सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिस्वामी	146/1(S)	0.384
29	मानसिंह पिता धन्नुलाल जाति राजपूत, रनजोर सिंह पिता धन्नुलाल जाति राजपूत, मेहरवान सिंह पिता धन्नुलाल जाति राजपूत पताकैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिस्वामी	146/2/1(S)	0.244
			146/2/2(S)	0.386
30	खेमसिंह पिता धन्नुलाल जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म. प्र.	भूमिस्वामी	146/5(S)	0.034
31	सत्यपाल सिंह पिता खेमसिंह जाति राजपूत पताकैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिस्वामी	146/4(S)	0.073
32	संगीता पति अरविन्द्र सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म. प्र. चन्द्रवती पति अर्जुनसिंह जाति राजपूत पताकैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	164/1(S)	0.445
			164/1	
33	चन्द्रभान सिंह पिता कोमलसिंह राजपूत हरपाल सिंह पिता कोमल सिंह राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	166(S)	0.110
			167/1(S)	0.570
34	ललता बाई पिता चेताराम जाति चमार पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	167/4/2(S)	0.004
35	गायत्रीबाई पुत्री भगवत जाति अहिरवार, लेखराम पिता भगवत जाति अहिरवार, शारदा पुत्री भगवत जाति अहिरवार, कुंवरबाई पुत्री भगवत जाति अहिरवार, मुल्लो बाई बेवा भगवत जाति अहिरवार	भूमिस्वामी	167/5(S)	0.134
			167/8(S)	0.263
36	कढोरी पिता दौलत जाति चमार पता कैलकच्छ साईखेड़ा भूमि नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	167/9(S)	0.251
37	लेखराम पिता भगवत जाति अहिरवार पता खेरूआ कैलकच्छ गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	167/7(S)	0.304
38	रामपाल पिता तखतसिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	169(S)	0.150
			170(S)	
			168/2	0.032
39	श्रीदेव ठाकुरजी मंदिर कैलकच्छ उमेदसिंह पिता रामप्रसाद श्री कलेक्टर महोदय नरसिंहपुर पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिस्वामी	95(S)	0.040
40	जय सिंह पिता हल्के सिंह जाति राजपूत पता कैलकच्छ साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिस्वामी	145(S)	0.227
	कुल योग			11.114
1. यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकांश अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबधित सम्यक् जांच करने के पश्चात की गयी है।				
2. कार्यपालन यंत्री, रा. अ. बा. लो. सा. नहर संभाग नरसिंहपुर के द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है कि भू- अर्जन अधिनियम के अनुसार निराकरण में भौतिक सत्यापन किये जाने पर यह पाया गया है कि उक्त भू- अर्जन में किसी प्रकार का कोई विस्थापन व पुर्नवास नहीं किया जाना है।				
3. चिनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु हितबद्ध व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं होने से धारा 19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं है। 4. उक्त भूमि के या उक्त भूमि किसी भाग में पड़े कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें है, खान और खनिज के ऐसे भागों में जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है।				
5. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।				
(मणिन्द्र कुमार सिंह)				
अनुविभागीय अधिकारी, गाडरवारा				
G-18623/26				
"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"				
(श्रीमति रजनी सिंह)				
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र)				

कल्पना की मौत पर आंदोलन के बीच कलेक्ट्रेट के सामने दो धरना पंडाल, एक जारी, दूसरा खत्म



रीवा

संजय गांधी अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत का मामला अब केवल अस्पताल में हुई घटना और न्याय की मांग तक सीमित नहीं रह गया है। मामले को लेकर एक तरफ मृतका के पिता रामशिरोमणि मिश्रा 12 दिन से आमरण अनशन पर बैठे हैं, तो दूसरी तरफ शहर में अलग-अलग स्थानों पर धरना-प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने धरना पंडाल लगाए जाने से मामले में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। कलेक्ट्रेट के सामने लगाए गए दोनों पंडालों में से एक पंडाल में भलुहा गांव निवासी सतीश तिवारी अब भी धरने पर बैठे हैं, जबकि दूसरा धरना समाप्त हो चुका है और संबंधित प्रदर्शनकारी मौके से हट चुके हैं। दोनों प्रदर्शनों के मुद्दे

अलग हैं, लेकिन इनके बैनर और आरोपों में कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को निशाना बनाया गया है। इससे कल्पना मिश्रा मामले के बीच राजनीतिक बयानबाजी को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सेमरिया क्षेत्र के भलुहा गांव निवासी सतीश तिवारी ने कलेक्ट्रेट के सामने अपना धरना पंडाल लगाया है। पंडाल में कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा की तस्वीर भी लगाई गई है। सतीश तिवारी का आरोप है कि उनके पुत्र अभिषेक उर्फ नितिन के साथ विधायक के घर पर मारपीट की गई थी और बाद में उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया। सतीश तिवारी का कहना है कि वह सामान्य किसान हैं और उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उनका उद्देश्य अपने बेटे के साथ हुई कथित मारपीट के मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और बेटे के खिलाफ दर्ज प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराना है। इसी मांग

को लेकर उन्होंने कलेक्ट्रेट के सामने धरना शुरू किया है। हालांकि धरना स्थल पर विधायक की तस्वीर लगाए जाने और आरोपों के चलते यह प्रदर्शन भी राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। बता दें कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने ही दूसरा धरना पंडाल भी लगाया गया था। इसके बैनर में रीवा के विकास को रोकने और जनता को भ्रमित करने वाली राजनीति के विरोध में प्रदर्शन की बात कही गई थी। इस धरने में कांग्रेस और विधायक अभय मिश्रा को निशाने पर लेकर आरोप लगाए गए। धरना स्थल पर भाजपा से जुड़े नेता और कार्यकर्ता भी पहुंचते रहे। हालांकि अब यह धरना समाप्त हो चुका है और प्रदर्शनकारी मौके से हट गए हैं। इसके बावजूद पंडाल और बैनर के जरिए लगाए गए आरोपों ने शहर में चल रही राजनीतिक खींचतान को चर्चा में ला दिया है।

कल्पना के पिता का 13 वें दिन भी अनशन



लोग धरना स्थल पर मौजूद रहे। इसके अलावा नागरिक, युवा, महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता भी लगातार पहुंचकर समर्थन जता रहे हैं।

सड़क से नदी तक पहुंचा आंदोलन

कल्पना मिश्रा प्रकरण में न्याय की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन अब सड़क और धरना स्थल से आगे बढ़कर नदी तक पहुंच गया। सोमवार को आंदोलनकारियों ने बिहर नदी स्थित ऐतिहासिक बाबा घाट पर पानी में उतरकर जल सत्याग्रह शुरू किया, प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत के मामले में जिम्मेदार कथित दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और कार्रवाई की जाए। आंदोलनकारियों के पानी में उतरने की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जल सत्याग्रह को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को बाबा घाट पर तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम भी बोट और लाइफ जैकेट के साथ मौके पर मौजूद रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने बताया कि कल्पना मिश्रा मामले में मजिस्ट्रियल जांच चल रही है और जांच के निष्कर्ष के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे तहसीलदार अनुपम पाण्डेय ने आंदोलनकारियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि कल्पना मिश्रा मामले में उनके परिजन और कुछ सहयोगी जल सत्याग्रह कर रहे थे। मामले की मजिस्ट्रियल जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिए जाने के बाद आंदोलनकारियों ने फिलहाल जल सत्याग्रह समाप्त कर दिया।

इधर संजय गांधी अस्पताल में 27 अगस्त को प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत के मामले में मृतका के पिता रामशिरोमणि मिश्रा का आमरण अनशन 13वें दिन भी जारी रहा। वह सिरमोर चौराहे पर धरने पर बैठे हैं और उनकी प्रमुख मांग है कि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। लगातार अनशन के कारण उनके स्वास्थ्य में गिरावट बताई जा रही है। इसके बावजूद वह अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि बेटी और नवजात की मौत के मामले में उन्हें न्याय चाहिए और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होने तक वह आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। अनशन के समर्थन में प्रमोद शर्मा, कुंज बिहारी तिवारी, अनिल सिंह और रहीस शुक्ला सहित अन्य

लोग धरना स्थल पर मौजूद रहे। इसके अलावा नागरिक, युवा, महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता भी लगातार पहुंचकर समर्थन जता रहे हैं।

गला रेतकर आत्महत्या का प्रयास, इलाज से भागता रहा युवक

जिला अस्पताल में करीब एक घंटे तक चला हाई वोल्टेज झगमा हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के अटेरा चौकी इलाके में एक युवक ने सब्जी काटने वाले चाकू से अपना गला रेतकर खुदकुशी की कोशिश की। यह घटना सोमवार को हुई। घायल हरितोष दशरिफ (32) को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचने पर हरितोष करीब एक घंटे तक इलाज कराते से बचता रहा। वह खून से लथपथ हालत में अस्पताल परिसर में घूमता रहा और बिना इलाज कराए भागने की भी कोशिश की। इसके बाद अस्पताल चौकी पुलिस और वार्ड बॉय ने उसे पकड़ा। उसके हाथ-पैर पलंग से बांधकर इलाज शुरू किया



गया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को हरितोष घर में अकेला था। उसी दौरान उसने सब्जी काटने वाले चाकू से अपने गले पर वार किया। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि उसने यह कदम क्यों उठाया। हरितोष की मां रेखा बाई ने पुलिस को बताया कि उनके बड़े बेटे की 25 साल पहले सांप के काटने से मौत हो गई थी। हरितोष उनका छोटा

बेटा है। घटना के समय वह घर पर नहीं थीं, अपने मामा के यहां गई थीं। उन्हें सोमवार को पता चला कि बेटे ने चाकू से अपना गला काट लिया है। उन्हें नहीं पता कि हरितोष ने ऐसा क्यों किया। अस्पताल चौकी पुलिस ने युवक के पास से सब्जी काटने वाला चाकू बरामद किया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि युवक ने किन वजहों से यह कदम उठाया।

3 वर्ष पुराने सनसनीखेज डकैती कांड का फरार मुख्य सरगना गिरफ्तार ईनामी बदमाश प्रदीप उर्फ राधे को मंडला पुलिस के सहयोग से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज►►सिवनी।

थाना केवलारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी केवलारी आशीष भराड़े के नेतृत्व में 03 साल से फरार डकैती के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 30.12.2023 को फरियादी दीपक कुमार पिता आशाराम डहेरिया उम्र 39 वर्ष निवासी गणेश कॉलोनी केवलारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 29.12.23 से 30.12.23 की दरमियानी रात 05 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा घर में घुसकर कुल्हाड़ी, पेचकस एवं एयर पिस्टल जैसे हथियारों से डरा-धमकाकर 04 नग सोने के कंगन, सोने की बेंदी, नथ, कान के झाले, सोने की अंगुठी, सोने की चैन, सोने का लॉकेट, चांदी की एक जोड़ी मोटी पायल, एक जोड़ी पतली पायल, नगदी 24,000/- रुपये एवं दो नग एंड्राइड फोन की डकैती की गई है। रिपोर्ट पर थाना केवलारी में अपराध क्रमांक 589/2023 धारा 395 भादवि के तहत



मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

1. प्रभुम पिता लक्ष्मण वैष्णव उम्र 24 साल निवासी वार्ड नं. 15 खैरमाई मोहल्ला नैनपुर 2. रामसहाय उर्फ करिया पिता रघुनाथ गुर्जर उम्र 35 साल निवासी कुदहीना थाना धौलपुर जिला धौलपुर (राजस्थान) 3. सद्दाम उर्फ रामगणेश उर्फ रामनरेश उर्फ सरदार पिता सुरेन्द्र उर्फ भुल्लू गुर्जर उम्र 35 साल निवासी ग्राम

सिरसोदा थाना गोहद जिला भिण्ड को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा चुका है।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी

प्रकरण में फरार मुख्य सरगना की लगातार तलाश की जा रही थी। घटनास्थल एवं उपलब्ध साक्ष्यों का बारीकी से परीक्षण करते हुए पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना एवं तकनीकी सहायता से मंडला पुलिस के सहयोग से ईनामी फरार आरोपी प्रदीप उर्फ राधे पिता मनिराम कुशवाहा उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम पोरसा वार्ड नं. 11 हनुमान मंदिर के सामने वाली गली, जिला मुरैना (म.प्र.) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी प्रदीप उर्फ राधे ने अपने साथियों के साथ मिलकर दिनांक 30.12.23 को फरियादी के घर में डकैती की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रमारी केवलारी निरि. प्रीतम सिंह तिलगाम, गोविंद सल्लाम, देवीसिंह रघुवंशी, आर. मंजोत यादव, आर. संजय देवगढ़, आर. 497 मानसिंह एवं म.आर. अमवती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टमस नदी में रस्सी से बंधा कफन में लिपटा मिला कंकाल

चाकघाट में पुल के पास नदी में तैरता दिखाई दिया शव, जल प्रवाह या हत्या,जांच में जुटी पुलिस



रीवा । जिले के चाकघाट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब टमस नदी में सफेद कपड़े में लिपटा और रस्सी से बंधा हुआ एक पानी में लंबे समय तक रहने से कंकाल में बरामद हुआ। नदी में कंकाल मिलने की खबर कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। शव की स्थिति बेहद खराब होने के कारण उसकी पहचान तत्काल नहीं हो सकी है।बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह टमस नदी के पुल के समीप कुछ लोगों की नजर नदी में तैरती सफ़ेद वस्तु पर पड़ी। नजदीक से देखने पर यह सफ़ेद कपड़े में लिपटा शव दिखाई दिया। शव को रस्सी से मजबूती से बांधा गया था। पानी में लंबे समय तक पड़े रहने के कारण शव काफी क्षतिग्रस्त हो चुका था और लगभग कंकाल में तब्दील हो गया था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल चाकघाट थाना पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही चाकघाट थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से नदी में उतरकर काफी मशकत के बाद शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। शव के सफेद कपड़े में लिपटे होने और रस्सी से बंधे होने के कारण मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह भी संभावना है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद धार्मिक रीति-रिवाज के तहत शव को नदी में प्रवाहित किया गया हो। हालांकि, शव का रस्सी से बंधा होना और लंबे समय तक पानी में रहने के कारण उसकी स्थिति खराब होने से हत्या समेत अन्य संभावनाओं को भी जांच के दायरे से बाहर नहीं किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शव नदी में कहां से बहकर आया और मृतक कौन है। आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जानकारी जुटाई जा सकती है, ताकि शव की पहचान स्थापित की जा सके। शव की वास्तविक स्थिति और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक जांच के माध्यम से भी महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।



रेलवे के निजी वाहन चालक की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के पीरा तिगड्डा के पास रविवार रात सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रदीप साहू, पिता महादेव साहू, निवासी बमीठा के रूप में हुई है। प्रदीप खजुराहो रेलवे में निजी कंपनी के वाहन चालक के रूप में कार्यरत था।

जानकारी के अनुसार प्रदीप रात करीब 9 बजे ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान पीरा तिगड्डा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया।घाटाटाल छतरपुर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्वालियर रेफर किया, लेकिन ग्वालियर ले जाते समय रास्ते में ही प्रदीप की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने पुलिस से हादसे की जांच कर अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतक के शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल छतरपुर में कराया जा रहा है।

पत्नी ने जताई थी अपहरण की आशंका, पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से जुटाए साक्ष्य हरिभूमि न्यूज►►छपारा।

छपारा थाना क्षेत्र के ग्राम जूनापानी में 11 सितंबर की सुबह से लापता 45 वर्षीय वीरन इनवाती का शव 14 सितंबर को गांव के एक खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि शव मच्छरदानी में लिपटा हुआ मिला।

जानकारी के अनुसार, वीरन इनवाती 11 सितंबर की सुबह करीब 6 बजे घर से बस्ती की ओर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने नाते-रिशतेदारों और आसपास के गांवों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 12 सितंबर को उनकी पत्नी राजकुमारी इनवाती ने छपारा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दिए आवेदन में उन्होंने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पति के अपहरण किए जाने की आशंका भी जताई थी। वहीं 14 सितंबर को खेत में शव मिलने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही छपारा पुलिस एवं एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की। फिलहाल वीरन इनवाती की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

बक्सवाहा में शराब पीने के बाद दो लोगों की तबीयत बिगड़ी, जांच में जुटी पुलिस

बक्सवाहा।

बंडा शराब कांड के बाद बक्सवाहा क्षेत्र में भी शराब सेवन के बाद दो लोगों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। दोनों मरीजों ने क्षेत्र की शराब दुकानों से शराब खरीदकर पीने की बात कही है। हालांकि, शराब के सेवन से ही उनकी तबीयत बिगड़ने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बरा, तहसील बंडा निवासी एक व्यक्ति ने बकहरी स्थित शराब दुकान से शराब खरीदने की बात कही। तबीयत बिगड़ने के बाद उसे उपचार के लिए सागर में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, उक्त व्यक्ति ने इससे पहले बंडा में भी शराब का सेवन किया था। इसी तरह ग्राम कुकु निवासी भरत यादव ने बक्सवाहा की शराब दुकान से शराब खरीदने की जानकारी दी। तबीयत बिगड़ने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद बगेल जिला अस्पताल रेफर किया गया।

शिकायतों पर सज्जात और अधिकारी की मनमानी जारी!

वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश भी बेअसर, कर्मचारियों ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

हरिभूमि, जबलपुर।

जल संसाधन विभाग में कर्मचारियों की शिकायतों को लेकर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रभारी अधिकारी मनोज कुमार मुकेश की कार्यप्रणाली को लेकर कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायतों की गईं और मामला भोपाल तक पहुंचा, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि कार्रवाई के बजाय कथित तौर पर शिकायत करने वाले कर्मचारियों पर ही दबाव और प्रताड़ना बढ़ गई।

कर्मचारियों के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी अधिकारी के कुछ आदेशों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर उन्हीं आदेशों

और कार्यप्रणाली का असर दिखाई दे रहा है। आरोप है कि आदेश निरस्त होने के बाद भी कामकाज के दौरान कर्मचारियों को कथित तौर पर परेशान किया जा रहा है।

नोटशीट पर हस्ताक्षर से लेकर रोजमर्रा के काम तक विवाद

कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि नोटशीट और विभागीय पत्रों पर हस्ताक्षर से लेकर रोजमर्रा के प्रशासनिक कामकाज में भी उन्हें कथित दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि शिकायतों के बाद स्थिति सामान्य होने के बजाय और बिगड़ गई है।

जवाबदेही पर उठ रहे सवाल-

मामले में अब सवाल केवल अधिकारी



दुबई के अल हम्मदी टॉवर में सुबह-शाम गूजेगा “वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभा”

जबलपुर। दुबई में रह रहे सनातनियों ने गणेश पूजन के लिए जबलपुर से पंडित संदीप कृष्ण शास्त्री को आमंत्रित किया है। शास्त्री जी ने बताया कि अल हम्मदी टॉवर में रह रहे हिंदू समुदाय के सदस्यों द्वारा सोसायटी व घरों पर विघ्नहर्ता की मिट्टी से निर्मित मूर्तों की स्थापना की जाती है। विदेश में रहकर भी अपनी संस्कृति, सनातन परंपराओं को जीवित रखना वाकई सराहनीय है। इसी के चलते पूजन अर्चन व अनुष्ठान के लिए दुबई बुलाया है। उन्होंने यह भी बताया कि वहां रह रहे हिंदुओं के द्वारा 9 दिनों तक चलने वाला एक विशेष अनुष्ठान भी आयोजित किया गया है। इस अनुष्ठान का उद्देश्य न केवल उनके परिवारों पर भगवान गणेश की कृपा बनाए रखना है, बल्कि भारत विश्वगुरु बने की मंगल कामना भी है। इतना ही नहीं भगवान गणेश जी बुद्धि के देवता के रूप में पूजे जाते हैं। इसीलिए यह प्रथम पूज्य भी माने गये हैं।



विद्या भारती ने मां नर्मदा को अर्पित की हलवा कढ़ाई

जबलपुर। विद्या भारती की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक के सफल समापन पर कालीधाम, ग्वारीघाट में मां नर्मदा का पूजन-वंदन कर हलवा कढ़ाई अर्पित की गई। पदाधिकारियों ने मां नर्मदा से समाजहित एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए शक्ति और प्रेरणा प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर अखिल भारतीय अध्यक्ष रविंद्र कन्हारे, संगठन मंत्री गोविंद पंत, महामंत्री देवराज शर्मा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे, प्रांतीय सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विष्णु कांत ठाकुर, सह सचिव नितिन चौधरी एवं नीरज खरे, प्रांत प्रमुख हरिराम तिवारी, विभाग समन्वयक कमलेश अग्रहरि, जिला सचिव विवेक चौधरी एवं विनीत अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मां नर्मदा की आरती एवं वंदना की गई।



गणेश विसर्जन के लिए भटौली कुंड तैयार, निगमायुक्त ने लिया जायजा

जबलपुर। आगामी गणेश विसर्जन पर्व को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने छोटी लाइन फाटक, अंधमुख चौराहा, गौरीघाट और भटौली स्थित विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश, बैरिकेडिंग, गोताखोरों और क्रेन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भटौली विसर्जन कुंड को पूरी तरह तैयार पाया गया। नर्मदा नदी की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए कुंड में ही प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था की गई है। निगमायुक्त ने अंधमुख चौराहे को व्यवस्थित करने तथा छोटी लाइन फाटक से गौरीघाट तक स्वच्छता, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। सड़क मरम्मत कार्य भी शीघ्र पूरा करने को कहा। निरीक्षण में अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यालन यंत्री जागेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधारताल में ट्रेन से वायरिंग चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा, आठ गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) जबलपुर ने आधारताल स्टेशन पर खड़ी ट्रेनों से अंडरगियर कॉपर वायरिंग चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर छह चोरों और दो कबाड़ियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से करीब 38,200 रुपए की रेल संपत्ति बरामद की गई। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक एवं पोस्ट कमांडर राजीव खरब के नेतृत्व में की गई। टीम में आर.के. चंदेल, सुखराम बेन,



जितेंद्र तिवारी, प्रेम सिंह, केदार और हरिकेश शामिल रहे। गिरफ्तार

जबलपुर में सम्राट मिहिरभोज परिहार एवं श्री वराह अवतार जयंती मनाई गयी

जबलपुर। जय शास्त्रधर्म सोशल फाउंडेशन द्वारा प्रति वर्षानुसार भाद्रपद मास की शुक्ल तृतीया तिथि रविवार को मिहिरभोज परिहार एवं वराह अवतार की जयंती बाला जी मंदिर जबलपुर में मनाई गयी और उनका पूजन वंदन कर प्रसाद वितरण किया गया। ज्ञात हो सम्राट मिहिरभोज परिहार 9वीं सदी के महान राजपूत राजा और योद्धा रहे जिन्होंने अरबों हूणों से भारत भूमि और सनातन धर्म की रक्षा की थी और वर्तमान गुजरात जो गुर्जर राज्य कहलाता था पर अपना शासन स्थापित कर गुर्जर सम्राट की उपाधि भी प्राप्त की, इसी तिथि में भगवान श्री विष्णु जी ने वराह अवतार धारण कर हिरन्याक्ष राक्षस से पृथ्वी की रक्षा की थी इसलिए उनकी भी जयंती साथ में मनाई गयी, जयंती में फाउंडेशन के कर्मट अधिकारी दीपक सिंह परिहार, अमन सिंह ठाकुर, रत्नेश सिंह ठाकुर, विकास सिंह ठाकुर, मनीष सिंह ठाकुर सम्मिलित रहे।



पश्चिम मध्य रेल के 10 स्टेशनों पर ठहराव, दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे

जबलपुर। आगामी त्रैहारों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे ने अजमेर-रांची-अजमेर साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित गाड़ी संख्या 09619/09620 के पश्चिम मध्य रेल के 10 स्टेशनों पर ठहराव दिए गए हैं। गाड़ी संख्या 09619 अजमेर-रांची स्पेशल 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार रात 11.05 बजे अजमेर से रवाना होगी और तीसरे दिन रविवार सुबह 7.30 बजे रांची पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09620 रांची-अजमेर स्पेशल 4 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार सुबह 10.50 बजे रांची से रवाना होकर तीसरे दिन सोमवार शाम 6.35 बजे अजमेर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन के 9-9 फेरे होंगे। पश्चिम मध्य रेल क्षेत्र में ट्रेन का ठहराव सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां, छाबरा गूगौर, रुठियाई जंक्शन, गुना, सागर, दमोह, कटनी मुड़ुवारा और ब्योहारी स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन के अन्य प्रमुख ठहराव किरानगढ़, जयपुर, दुर्गापुरा, सिंगरौली, ओबरा डैम, चोपन, रेनुकूट, गढ़वा रोड,

डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, लोहरदगा और पिरका हैं। स्पेशल ट्रेन में 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 5 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 5 शयनयान, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी तथा 2 द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड ब्रेक वैन सहित कुल 18 कोच रहेंगे। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि त्रैहारों के दौरान बढ़ती मांग को देखते हुए पूजा स्पेशल ट्रेन का लाभ उठाएं। ट्रेन के समय, ठहराव और अन्य जानकारी रेलवे की अधिकृत पृष्ठताछ सेवा से प्राप्त की जा सकती है।

देशभक्ति के सुरों से गूंजा ‘सुरों में वतन’

जबलपुर। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जबलपुर द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से जानकी रमण महाविद्यालय, जबलपुर में ‘सुरों में वतन’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के शरद भाई पालन, प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, अभिमन्यु जैन, डॉ. संध्या जैन श्रुति एवं संजय गर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने हिंदी भाषा तथा हिंदी साहित्य के महान कवियों के योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम में ‘वंदे मातरम’, ‘पुष्प की अभिलाषा’, ‘अरुण यह भयमय देश हमारा’,



‘भारत माता ग्रामवासिनी’, ‘भारत में मची है होरी’, ‘वतन की आबरू’, ‘झाँसी वाली रानी’ तथा ‘बाँधो न नाव उस टाँव बंधु’ जैसी कालजयी रचनाओं की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, सुमन्र कुमारी

चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, माखनलाल चतुर्वेदी, भारतेंद्र हरिश्चंद्र एवं जगदंबा प्रसाद ‘हितैषी’ जैसे साहित्यकारों की रचनाओं को स्वर दिया गया। कविताओं को बी.वी. कारंत, डॉ. शिप्रा सुल्लेरे एवं लोकेश मालवीय द्वारा संगीतबद्ध किया गया। माही सोनी के नेतृत्व में आरती दुबे, चांदनी सेन, अनामिका बाजपेई, खुशबू नामदेव, राशि सुनोरिया, अदिति पटेल, मानसी सोनी, शबनम मेहरा, चेतन बेन, भावना विश्वकर्मा एवं अंजलि विश्वकर्मा ने अपने प्रभावशाली गायन कोशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन दंविन्दर सिंह ग्रोवर का रहा।



महाकोशल चौक में भव्यता से मनाया जाएगा 28वां गणेश उत्सव

जबलपुर। महाकोशल चौक सिविल लाइन में संस्कारधानी श्री गणेश उत्सव परिवार द्वारा इस वर्ष भी 28वां गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, उत्सव को लेकर समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, आयोजन के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्री गणेश की आराधना का अवसर मिलेगा, समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा उत्सव को व्यवस्थित एवं भव्य रूप देने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है, समिति द्वारा विशाल गणेश प्रतिमा का जुलूस निकाला गया, लाइट बैंड के साथ, इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनुराग कुशवाहा, कोषाध्यक्ष राहुल रजक, अतुल रजक, शुभम ठाकुर, अभिषेक पाल, शाहिल बागडे, रोहित रजक, सुजल कुशवाहा, अमन श्रीवास, भैयू और सुमित रजक सदस्य के रूप में आयोजन की जिम्मेदारियां संचाल रहे हैं। समिति ने श्रद्धालुओं से उत्सव में शामिल होकर धार्मिक आयोजनों का लाभ लेने की अपील की गई है।

शारदीय चैत्र नवरात्र को लेकर बंग समाज की हुई बैठक

जबलपुर। आगामी 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्र आरंभ हो जाएगी, वही संस्कारधानी में इस शारदीय नवरात्र की जगह-जगह तैयारियां और समिति की बैठकें चल रही हैं, देखा जा रहा है कि बंग समाज ने भी अभी से अपनी दुर्गा उत्सव पर्व की तैयारी आरंभ कर दी है। रविवार को तिलहरी स्थित आकाश एंक्लेव में बंगाली समिति समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति जागृति मैदान बिलहरी में कार्यक्रम होंगे, समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हम लोग विगत 8 वर्षों से दुर्गा पूजा करते आ रहे हैं समिति में 30 मंवर हैं और बाकी समाज के लोग मिलकर निरंतर करते आ रहे हैं बंगाल परंपरा के



तहत पूजा करते हैं इस वर्ष भी हम लोग तिथि के अनुसार पूजा करेंगे, इस बार भी तिथि हठ पूजा सुबह 5:00 से प्रारंभ होगी सप्तमी, अष्टमी, नवमी सप्तमी दो दिन होगी, अष्टमी फिर नवमी हठ पूजा लगभग सुबह 5:00 बजे खरब हो जाएगी, पूजा के बाद पुर्णाजलि, पुर्णाजलि के बाद प्रसाद वितरण होगा, भोग

निरंतर पांचों दिन होगा, समिति ने बताया कि शाम के समय हमारे कल्चर प्रोग्राम, स्पोर्ट्स प्रोग्राम होंगे यह सब हमारी समिति के सहयोग से होगा और इसमें बाहर से भी कलाकार आएंगे, जागृति मैदान बिलहरी ग्राउंड के आसपास के समाज के लोगों का भी हम लोगों को सहयोग मिलता है।



15 वर्षों से पांच रुपए में भोजन, संघवी सेवा समिति ने मनाया स्थापना दिवस

जबलपुर। विकटोरिया हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज में संघवी सेवा समिति ने 15वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मरीजों एवं उनके परिजनों को मिष्ठान, पूरी, दाल, सब्जी और फल का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति शीतल समदड़िया परिवार सहित उपस्थित रहे। समिति का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को पौष्टिक एवं सुलभ भोजन उपलब्ध कराना है। संस्था पिछले 15 वर्षों से मात्र 5 रुपए में भोजन उपलब्ध करा रही है और अब तक करीब 28 लाख मरीजों व परिजनों को सेवा का लाभ मिल चुका है। समिति को कोई सरकारी अनुदान नहीं मिलता और यह जनभागीदारी से संचालित है। अध्यक्ष पंकज संघवी, उपाध्यक्ष मयूर संघवी, सचिव मुकेश जैसवाल, अशोक जैन, सचिन जैन, दीपक जैन एवं बंटी गोलछा सराफा सहित सहयोगियों का योगदान रहा।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 74वीं बैठक आयोजित

जबलपुर। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पश्चिम मध्य रेल की 74वीं बैठक सोमवार को महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। महाप्रबंधक ने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विभागध्यक्षों और मंडलों-कर्मखानों के कार्यालय प्रमुखों से राजभाषा संबंधी लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन का आह्वान किया। बैठक में राजभाषा विभाग की त्रैमासिक पत्रिका ‘राजभाषा सरिता’ के 58वें अंक का विमोचन किया गया। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य इंजीनियर आशुतोष ने राजभाषा गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 से 30 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित हो रहा है, जिसका समापन 7 अक्टूबर को होगा।

खबर संक्षेप

सरकार ने बदला केसली मंडी का नाम

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने सागर जिले की केसली कृषि उपज मंडी समिति का नाम बदलने का आदेश जारी किया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अब यह मंडी “वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी कृषि उपज मंडी समिति, केसली” के नाम से जानी जाएगी।विभाग ने मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नाम परिवर्तन किया है। अधिसूचना में बताया गया है कि 2 सितंबर 1998 की विभागीय अधिसूचना के तहत स्थापित कृषि उपज मंडी समिति, केसली, जिला सागर का नाम परिवर्तित किया गया है।

क्रोमा आईफोन 18 प्रो लाइन-अप की प्री-बुकिंग

मुंबई। टाटा ग्रुप की इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर क्रोमा ने नए आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक देश भर के किसी भी क्रोमा स्टोर, क्रोमा डॉट कॉम, टाटा नेउ ऐप और बिग बास्केट के जरिए आसान ऑफर्स के साथ एप्पल के इन सबसे नए डिवाइसेज को अभी बुक कर सकते हैं। नई प्रो लाइन-अप में परफॉमेंस और फोटोग्राफी के क्षेत्र में एप्पल की सबसे उन्नत तकनीक दी गई है। इसमें पावरफुल ए20 प्रो चिप, एप्पल का इन-हाउस सी2 वायरलेस मॉडेम और फिजिकल वॉरेबल अपचंर वाला एक नया 48एमपी प्यूजन मेन कैमरा शामिल है।

वायदा बाजार में सेटलमेंट का बदलेगा नियम

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स के एकसपाथरी-डे सेटलमेंट प्राइस की गणना व्यवस्था में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। नियामक ने इसके लिए दो विकल्प पेश किए हैं और बाजार सहभागियों से सुझाव मांगे हैं। यह कदम 3 अगस्त से लागू क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (कैस) व्यवस्था की समीक्षा और बाजार से मिले फीडबैक के बाद उठाया गया है। सेबी के अनुसार कैश सेगमेंट में डेरिवेटिव वाले शेयरों के लिए कैसकी शुभआत अंतिम क्लोजिंग प्राइस की अधिक पारदर्शी और कुशल खोज के उद्देश्य से की गई थी।

अमेजन ने किया नेटवर्क विस्तार की घोषणा

नई दिल्ली। अमेजन ने त्योहारों से पहले अपने ऑपरेशन नेटवर्क के अब तक के सबसे बड़े विस्तार की घोषणा की। इसके तहत 20 नए फुलफिलमेंट सेंटर, 6 नए सॉट सेंटर और 150 नए लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन शुरू किए जा रहे हैं।

राशिफल

	मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
मेघ	
	स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।
वृष	
	मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेगे।
मिथुन	
	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।
कर्क	
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।
सिंह	
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग्य बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।
कन्या	
	मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुखदुःखानपान में रुचि रहेगी।
तुला	
	आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।
वृश्चिक	
	आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयाँ आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में अशांतीत परिणाम मिलेंगे।
धनु	
	वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अत्यवस्थित रहेगा।
मकर	
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।
कुम्भ	
	परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।
मीन	

सरकार ला रही ‘फेसलेस’ व्यापार सुविधा प्रणाली, मिलेगी बड़ी राहत

एजेसी ►► नई दिल्ली

निर्यातकों और आयातकों के लिए कारोबार को आसान बनाने की दिशा में वाणिज्य मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। महानिदेशालय विदेश व्यापार में केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग स्थापित किया जाएगा। यह विभाग 'फेसलेस' व्यापार सुविधा प्रणाली को लागू करेगा।

सरकार का लक्ष्य इस व्यवस्था के जरिए व्यापार से जुड़े आवेदनों का फेसलेस, पेपरलेस और अधिकार क्षेत्र-मुक्त तरीके से निपटारा करना है। इससे आवेदन प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होने के साथ-साथ पारदर्शिता बढ़ने और कारोबार करने में आसानी होने की उम्मीद है। डीजीएफटी के एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग व्यापार से संबंधित आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए एक केंद्रीय इकाई के रूप में काम करेगा। यह विभाग दिल्ली के केंद्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र में स्थित होगा। सरकार की योजना इस नई प्रणाली को अक्टूबर 2026 के दूसरे पखवाड़े में राष्ट्र को समर्पित करने की है।

निर्यातकों और आयातकों के लिए कारोबार करना होगा आसान



अधिकारियों से मिलने की जरूरत नहीं

फेसलेस व्यापार सुविधा प्रणाली की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि व्यापारियों को आवेदन से जुड़े काम के लिए अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलने की आवश्यकता नहीं होगी। आवेदन और उससे जुड़ी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से पूरी की जाएगी। इस

व्यवस्था से कागजी कार्रवाई में कमी आएगी और अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत भी कम होगी। आवेदन का निपटारा केंद्रीय स्तर पर डिजिटल तरीके से किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया को ज्यादा तेज और कुशल बनाने में मदद मिलेगी।

53 डीजीएफटी अधिकारियों की तैनाती

केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग को प्रभावी तरीके से संचालित करने के लिए अधिकारियों की तैनाती भी की गई है। दिल्ली और क्षेत्रीय केंद्रों से कुल 53 डीजीएफटी अधिकारियों को इस विभाग में स्थानांतरित या तैनात किया गया है।इनमें 5 संयुक्त डीजीएफटी अधिकारी, 10 उप डीजीएफटी अधिकारी और 7 सहायक डीजीएफटी अधिकारी शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य विभाग को पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराकर नई व्यवस्था को सुचारु रूप से लागू करना है। 'फेसलेस' व्यापार सुविधा प्रणाली को कारोबार से जुड़ी सरकारी प्रक्रियाओं को सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। आवेदन प्रक्रिया के तेज, पारदर्शी और अधिकार क्षेत्र-मुक्त होने से निर्यातकों और आयातकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

नई व्यवस्था से कई फायदे मिलने की उम्मीद

- प्रसंस्करण में तेजी: आवेदन निपटाने में लगने वाला समय कम हो सकता है, जिससे व्यापारिक लेनदेन तेजी से पूरा होगा।
- पारदर्शिता बढ़ेगी: पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से आवेदन के निपटारे में पारदर्शिता बढ़ेगी और मानवीय हस्तक्षेप कम होगा।
- कार्यालयों के चक्कर कम होंगे: व्यापारियों को अलग-अलग अधिकारियों या कार्यालयों में जाकर आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं होगी।
- ऋष्टाचार की संभावना कम होगी: मानवीय हस्तक्षेप कम होने से अनानुषंगिक संपर्क और ऋष्टाचार की संभावनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है।
- ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा: आसान और तेज प्रक्रिया से भारत में कारोबार करना अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट ने पीएम मोदी और गडकरी को लिखा पत्र

वाहन ट्रांसफर प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑटो अप्रूवल जारी रखने की मांग

कहा- आधार प्रमाणीकरण से होगी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से वाहन स्वामित्व अंतरण और एनओसी जारी करने की ऑटो अप्रूवल व्यवस्था को जारी रखने की मांग उठी है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस की आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी के चेयरमैन सी.एल. मुकाती ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को जारी रखने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 7 सितंबर 2026 से देशभर में आधार प्रमाणीकरण के जरिए वाहन स्वामित्व अंतरण और एनओसी की सेवाओं को ऑटो अप्रूवल मोड में उपलब्ध कराया गया है। इससे वाहन मालिकों को आरटीओ कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिलेगी और सरकारी सेवाओं की प्रक्रिया अधिक सरल और डिजिटल होगी।

24 करोड़ रुपए के राजस्व पर भी दी सफाई



परिवहन अधिकारियों के संगठन द्वारा 1 जनवरी से 9 सितंबर 2026 के बीच विभिन्न सेवाओं के आवेदनों के निराकरण से करीब 24 करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व वसूल किए जाने के दावे पर भी पत्र में स्पष्टीकरण दिया गया है। मुकाती के अनुसार यह अतिरिक्त राजस्व नहीं, बल्कि बैलेंस ऑफ टैक्स

कलेक्शन के माध्यम से जमा कराया गया कर है। उन्होंने कहा कि यात्री बसों के अस्थायी परमिट, अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों के पंजीयन चिह्न आवंटन, बसों की श्रेणी परिवर्तन, कुछ माल वाहनों के जीवनकाल कर और टैक्स क्लीयरेंस जैसे मामलों में कर की गणना मैनुअल रूप से होती है।

टैक्स और दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन

पत्र में यह भी बताया गया है कि वाहन पोर्टल पर बीमा, पंजीयन, फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता की जांच ऑनलाइन होती है। वाहन पर मोटरयान कर बकाया होने, चालान लंबित होने या वाहन ब्लैकलिस्टेड होने की स्थिति में आवेदन आगे नहीं बढ़ने का प्रावधान बताया गया है। इसके अलावा वाहन पर एचएसआरपी लगाए जाने की स्थिति की भी पोर्टल के माध्यम से जांच होने का उल्लेख किया गया है। पत्र के अनुसार आधार प्रमाणीकरण को क्रेता

और विक्रेता का ई-साइन माना जाता है, इसलिए फॉर्म-29 और फॉर्म-30 तथा अलग से पहचान प्रमाण अपलोड करने की जरूरत नहीं रहती। मुकाती ने पत्र में स्पष्ट किया है कि सभी प्रकार के वाहन स्वामित्व अंतरण ऑटो अप्रूवल व्यवस्था के दायरे में नहीं आते। वाहन मालिक की मृत्यु के बाद होने वाले स्वामित्व अंतरण और लोक नीलामी में खरीदे गए वाहनों के मामलों को ऑटो अप्रूवल से अलग रखा गया है।

‘ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस’ के अनुरूप व्यवस्था जारी रखने की मांग

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने केंद्र सरकार से आधार प्रमाणीकरण के जरिए वाहन स्वामित्व अंतरण और एनओसी की ऑटो अप्रूवल व्यवस्था को जारी रखने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि डिजिटल माध्यम से बाधारहित सेवाएं उपलब्ध कराना 'ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ़ लिविंग' की भावना के अनुरूप है। मुकाती ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से इस व्यवस्था को जारी रखने का आवाह करते हुए कहा है कि इससे वाहन मालिकों और परिवहन कारोबारियों की सुविधा मिलेगी तथा सरकारी तंत्र में लंबित कार्यों का दबाव भी कम हो सकेगा। मुकाती ने पत्र में कहा है कि मध्यप्रदेश परिवहन (राजपत्रित) अधिकारी संगठन की ओर से ऑटो अप्रूवल व्यवस्था को लेकर जताई गई कर अपवचन और फर्जी दस्तावेजों की आशंका उचित नहीं है। उनके अनुसार ऑनलाइन प्रक्रिया में वाहन और वाहन मालिक से संबंधित कोई महत्वपूर्ण जानकारी का सत्यापन पोर्टल स्तर पर ही हो जाता है।पत्र के मुताबिक आधार प्रमाणीकरण के जरिए विक्रेता की पहचान स्थापित होती है, जबकि क्रेता का नाम और पता आधार से प्राप्त होकर पंजीयन रिकॉर्ड में दर्ज होता है।

सीओएआई और ब्रिटिश उच्चायोग के बीच समझौता

भारत-ब्रिटेन ने एआई और डिजिटल कनेक्टिविटी पर सहयोग मजबूत किया



एजेसी ►► नई दिल्ली

सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (सीओएआई) ने ब्रिटिश उच्चायोग के सहयोग से सोमवार को नई दिल्ली में सीओएआई2026 का आयोजन किया। “भारत के इंटरनेट कनेक्टिविटी भविष्य को सशक्त बनाना: नेटवर्क, भरोसे और नागरिकों के लिए एआई” थीम पर आयोजित फोरम में सरकार, नियामक संस्थाओं, दूरसंचार कंपनियों, टेक्नोलॉजी कंपनियों और डिजिटल क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने, भविष्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम में भारतीय दूरसंचार नियामक

प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी, भारत में ब्रिटेन के कार्यवाहक उच्चायुक्त बेन मेलोर, सीओएआई के चेयरमैन एवं भारती एयरटेल के ग्रुप सीआरओ और निदेशक राहुल वत्स तथा सीओएआई के वाइस चेयरमैन एवं रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष एवं मुख्य लोक नीति व नियामकीय अधिकारी रवि गांधी समेत दूरसंचार विभाग, टेलीकॉम ऑपरेटर्स और टेक्नोलॉजी उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। फोरम में डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने, उपभोक्ता सुरक्षा मजबूत करने, नेटवर्क की कार्यक्षमता बढ़ाने और बड़े पैमाने पर सुस्थित डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने में एआई की भूमिका पर चर्चा हुई।

एआई सिर्फ एक नई नेटवर्क जनरेशन नहीं

ट्राई चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि एआई को केवल किसी नई नेटवर्क जनरेशन या एप्लीकेशन लेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह नेटवर्क प्रबंधन, सर्विस डिजाइन, जोखिमों की पहचान और निगम लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली व्यापक क्षमता है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सिवनी एवं सदस्य सचिव, जिला वॉश तकनीकी समिति, सिवनी

E-mail- ceressconi@mp.gov.in,eeresseoni@rediffmail.com.

क्र.1269/निविदा/ग्रा.या.सं./2026-27

सिवनी दिनांक-10/09/2026

सक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02/2026-27

जिला वॉश तकनीकी समिति, सिवनी द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत (ग्रामीण नलजल योजना संचालन - संशोधन एवं प्रबंधन) नियम, 2026 की कंडिका 12 के प्रावधानों के अंतर्गत ग्रामीण नल जल योजनाओं के वृहद मरम्मत, रख-रखाव एवं ख़ोत तथा पाईप लाईन विस्तार कार्यों हेतु कंडिका 14 के अंतर्गत एजेंसियों को जनपद स्तर पर सूचीबद्ध (empanel) करने के लिये पात्र आवेदकों से निर्धारित समयसीमा अनुसार ऑनलाईन <https://mptenders.gov.in> पोर्टल पर आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडरर नम्बर	जिले का नाम	जिले में जनपद पंचायतों की संख्या व नाम	सूचीबद्धता शुल्क (रु.)	निविदा दस्तावेज शुल्क (रु.)	सूचीबद्धता की अवधि (माह)
1	2026_RES_535199	सिवनी	08 सिवनी, लखनादीन, बरघाट, केवलारी, घंसीर, धनौरा, कुईई एवं छपारा	50,000	1,000	24 माह

कण्टिडका (1) निविदा संबंधी समयसारणी :-

क्र.	विवरण	प्रारंभ का दिनांक / समय	अंतिम दिनांक/समय
1	निविदा क्रय करने की तिथि	19.09.2026, 10:00 AM	02.10.2026, 5:30 PM
2	निविदा संबंधी दस्तावेज ऑनलाईन जमा की प्रारंभिक तिथि	19.09.2026, 10:05 AM	02.10.2026, 5:30 PM
3	निविदा संबंधी तकनीकी दस्तावेज का परीक्षण की तिथि	05.10.2026, 11:00 AM	--

तकनीकी प्रस्ताव दिनांक 05.10.2026 प्रातः 11.00 बजे से इस कार्यालय में खोले जायेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने हेतु विस्तृत निविदा व अन्य विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर एवं कार्यालयीन समय में कार्यालय में देखी जा सकती है। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न कर निर्धारित समय-सारणी अनुसार निविदा की ऑनलाईन प्रक्रिया पूर्ण करें। वेबसाइट में किसी प्रकार की असुविधा के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। ई-निविदा जारी होने के बाद अगर निविदा में कोई संशोधन किया जाता है, तो प्रेश विज्ञप्ति जारी नहीं की जायेगी, संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जायेगा।

कार्यालयन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सिवनी एवं
सदस्य सचिव, जिला वॉश तकनीकी समिति (अ) जिला- सिवनी

G-18629/26

शब्द पहेली - 6348

1		2	3	4		5	6	7		8
		9				10				
11	12								13	
14			15		16		17		18	
19									20	
			21		22					
23	24			25		26		27	28	
29			30	31		32			33	
34									35	
			36	37			38	39	40	
41						42				

बाएँ से दाएँ

- यश प्राप्त करना-5
- चतुर, जहीन-5
- दया, तरस-3
- कामदेव-3
- लीन, तल्लीन-2
- बोली, आवाज-2
- राजदुर्गा-2
- एक प्रकार का बिक्रीकट-2,3
- रक्त, सलाह-2
- जो लायक न हो-4
- अधीनस्थ-4
- कहानी, गाथा-2
- श्रवणेंद्रिय-2
- कुर्छ से पानी भरने का चक्रवर्त-4
- दान देने वाला-4
- वरदान, दूल्हा-2
- पत्नी का नाना-2,3
- सूर्य, दिनकर-2
- भीमा हुआ-2
- चुर आलाप-2

- कूलों का रस, अर्क-3
- तरंग, हिलोरे-3
- ज्वरतमक-5
- संधमार-5
- उपर से नीचे
- नामकरण-5
- देक्स, हाथ-2
- महीना, मास-2
- नामवर, प्रसिद्ध-4
- संधि, सामंजस्य-4
- सक्त, नशा-2
- झंकार-2
- स्मण योग्य-5
- तगारी, नंद-3
- सुअर-3
- अभिमान मर्दित होना -2,3
- समाप्त-2
- नेकनीयत-5
- हनुमान-3,2
- मुलायम-3
- उम्मीद, आशा-2
- बहादुरी-3

शब्द पहेली- 6347 का हल

स	ल	व	ल	व	म	त	र
म	क	ल	ज	त	ज	व	ज
न	दी	जे	मा	क	त	न	जा
म	जा	ल	का	य	र	त	ल
म	म	न	र	म	ल	का	ल
का	वा	जी	न	म	ल	का	ली
र	क	र	र	हो	र	का	ल
की	व	र	ल	ल	न	त	
क	म	र	अ	र	ली	क	द
म	त	जी	त	मा	मा	दा	म

सूडोक्रु जवताल 6358								*** ** *							
9	6		3		4	8									
	2				9		7								
4			1	6					2						
		8			2		3								
1		4					2		5						
	3	5				8									
7				9	5					3					
	8		6				4								
6	2		7		5		1								

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो सक्ता विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को अपर हटा नहीं सकते.
■ पोलोती का केवल एक ही हल है.

सूडोक्रु जवताल 6357 का हल															
3	6	5	1	8	2	7	4	9							
7	9	2	3	5	4	1	8	6							
4	1	8	6	7	9	5	3	2							
6	5	9	2	4	8	3	7	1							
8	4	7	9	3	1	6	2	5							
1	2	3	5	6	7	4	9	8							
2	7	6	4	9	5	8									



सहेली

जब बच्चा माता-पिता से संवाद करने से बचने लगे

किशोरवय बच्चे अकसर अपने माता-पिता से बहुत कम बात करते हैं, एक दूरी-सी बना लेते हैं, जबकि बच्चे के बहुमुखी विकास के लिए पैरेंट्स के साथ उनका निरंतर संवाद बहुत जरूरी है। बच्चे किन कारणों से पैरेंट्स से संवाद करने से बचते हैं? पैरेंट्स ऐसी स्थिति में क्या करें, एक जरूरी सलाह।



बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा



बच्चा

जब छोटा होता है, माता-पिता ही उसकी दुनिया होते हैं। माता-पिता अपने बच्चे की परवरिश में दिन-रात एक करते हैं। अपने बच्चे की पहली मुस्कान, उसका पहला कदम और उसका बोला पहला शब्द ही उनकी सबसे

बड़ी खुशी होते हैं। यही बच्चा जब बड़ा हो जाता है, तो कई बार वह अपने पैरेंट्स से बहुत कम बात करने लगता है। कभी-कभी वह अपनी कोई भी बात नहीं बताता। धीरे-धीरे रिश्तों में संवाद कम होने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता यही सोचते हैं कि उनसे कोई ऐसी गलती तो हुई है, जो उनका बच्चा उनसे बात नहीं करता। बच्चे और पैरेंट्स के बीच संवादहीनता की कई वजहें हो सकती हैं, इसे माता-पिता को समझना चाहिए और बच्चे से निरंतर संवाद

बनाकर रखना चाहिए।

बच्चे गुजरते हैं कई तरह के बदलावों से: तरह से अट्ठारह साल के बच्चे मानसिक और भावनात्मक रूप से कई तरह के बदलावों से गुजरते हैं। वे अपने माता-पिता से कम, बाहर की दुनिया से ज्यादा प्रभावित रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पहचान बनाने के लिए निरंतर मानसिक रूप से संघर्ष करते हैं। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे उनकी प्राइवसी का सम्मान करें। हर बात वे आपको बताए इसकी उम्मीद न करें, अपने बच्चे पर अपना विश्वास जताएं।

घर में कलह की स्थिति: बच्चे की अपने माता-पिता के साथ संवादहीनता की एक सबसे बड़ी वजह होती है, घर में कलह का माहौल। ऐसा माहौल पैरेंट्स की तुलना में बच्चे को कई गुना ज्यादा तनावग्रस्त करता है। उसे लगता है कि उसकी समस्याओं का निवारण कौन करेगा, जब पैरेंट्स खुद ही समस्याग्रस्त हैं। पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के सामने लड़ाई-झगड़ा न करें, घर का वातावरण सकारात्मक रखें।

दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्ट: आजकल बच्चे



अपने माता-पिता से बातचीत कम करते हैं, अपने दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्टेड रहते हैं, क्योंकि उन्हें दोस्तों के साथ ज्यादा अपनापन फील होता है। दोस्त चूंकि उनके हमउम्र होते हैं, इसलिए वे उनकी समस्याओं को ज्यादा गहराई से समझ पाते हैं। **बच्चे को ताने मारना:** बच्चे अकसर अपनी बातें पैरेंट्स से शेयर करने से इसलिए भी बचते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता और बताई गई बातों पर ताना दिया जाएगा। इसलिए वे अपने करियर, अपनी असफलताएं, पढ़ाई का तनाव और अपने रिलेशनशिप इश्यू के बारे में पैरेंट्स से कुछ साझा नहीं करते। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे को जज करने की बजाय उसकी उम्र और उसकी परिपक्वता के अनुसार उसको सुनें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

दूसरों से तुलना: अकसर पैरेंट्स अपने बच्चों की परफॉर्मेंस की तुलना दूसरों से करते हैं, इससे बच्चे में आत्मविश्वास कम होता है। पैरेंट्स को समझना चाहिए कि हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। उसकी छोटी उपलब्धियों को बड़ी उपलब्धि में बदलने में पैरेंट्स को अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। **बच्चे में हमेशा कमियां निकालना:** कभी-कभी बच्चा अपने पैरेंट्स से अपनी बात कहने से इसलिए भी डरता है, क्योंकि वे हमेशा उसकी कमियां निकालते हैं। उसकी गलती पर वे उसे प्यार से समझाने की बजाय, डांटते हैं। इस तरह बच्चा धीरे-धीरे सच कहने से डरने लगता है। बच्चे को अपने पैरेंट्स सपोर्टिव और अपना घर सुरक्षित लगना चाहिए। a



क्या दांपत्य प्रेम की कोई एक्सपायरी डेट होती है

किसी भी दंपती के बीच प्यार-रोमांस हमेशा विवाह के शुरुआती समय की तरह बना रहे, यह मुमकिन नहीं है। बीते समय के साथ उनके प्यार के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। प्यार का अंदाज रुमानी नहीं रहता। प्यार के इस बदले रूप को, दांपत्य जीवन की वास्तविकता को पति-पत्नी समझ नहीं पाते। उन्हें लगता है उनका प्यार एक्सपायरी डेट में पहुंच गया है। पति-पत्नी प्यार में हमेशा सराबोर रहें, इसके लिए उन्हें कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा।



कवर स्टोरी
पूति खरे

शादी की के पांच साल बाद एक दिन पत्नी ने अचानक पूछा, 'सुनिए, क्या आपको नहीं लगता कि अब हम पहले जैसे नहीं रहे?' पति मुस्कुरा दिए, बोले, 'हां, पहले हम रात-रात भर प्यार में पगी बातें करते थे। अब बिजली का बिल और बच्चों की फीस पर चर्चा करते हैं।' इस बात पर दोनों हंस पड़े। लेकिन यह हंसी अपने भीतर एक गंभीर प्रश्न भी समेटे हुए थी। क्या सचमुच लंबे समय बाद रिश्तों में ऊब आ जाती है? क्या दांपत्य-प्रेम की भी कोई एक्सपायरी डेट होती है? या फिर इस प्रेम को केवल उसके शुरुआती रूप में पहचानते हैं, बाद में इसके बदलते स्वरूप को दंपती स्वीकार नहीं कर पाते?

जीवन और रिश्ते दोनों परिवर्तनशील हैं: आज के समय में दांपत्य रिश्तों की दूरी का सबसे बड़ा कारण केवल मतभेद नहीं, रिश्तों में बेरियत आना भी एक कारण है। दरअसल, हम प्रेम से पहले इसके प्रति एक उत्साह की अपेक्षा करते हैं, फिर जीवन भर इसी उत्साह को बनाए रखने की उम्मीद भी करते हैं, जबकि जीवन और रिश्ते दोनों ही परिवर्तनशील हैं।

प्रेम का स्वरूप बदलता है, खत्म नहीं होता: हमने फिल्मों और कहानियों में प्रेम का जो चेहरा देखा है, उसमें हर दिन सरप्राइज और रोमांच होता है। लेकिन वास्तविक जीवन में प्रेम का दूसरा रूप भी होता है। वह सुबह की चाय पछने में है, एक-दूसरे की

दवा का समय ध्यान रखने में है, आपको थकान को बिना कहे समझ लेने में है। दांपत्य रिश्ते में दस वर्ष बाद जो प्रेम होता है, वह पहले वर्ष जैसा नहीं दिखता। उसका तापमान बदल जाता है। वह उन्माद से उतरकर विश्वास-भरोसे में बदल जाता है। समस्या यह नहीं कि प्रेम बदल जाता है। समस्या यह है कि हम उसके बदले स्वरूप को स्वीकार नहीं करते।

हम पार्टनर से नहीं, रूटीन लाइफ से ऊबते हैं: मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मनुष्य का मस्तिष्क नवीनता को पसंद करता है। यही कारण है कि नई नौकरी, नया शहर और नया रिश्ता हमें आकर्षित करता है। लेकिन कुछ समय बाद हर नई चीज सामान्य-सी लगती है। इसे मनोवैज्ञान में 'हेडोनिक एडॉप्टेशन' कहते हैं। यही बात रिश्तों पर भी लागू होती है, जो लाइफ पार्टनर कभी हमें सबसे अधिक रोमांचित करता था, वही कुछ वर्षों बाद हमारे रूटीन लाइफ का हिस्सा बन जाता है।

इसका अर्थ प्रेम का समाप्त होना नहीं है, बल्कि हमारे मस्तिष्क का उस सुख का अभ्यस्त हो जाना है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि ऊब हमेशा रिश्ते से नहीं होती, कभी-कभी एकरसता से होती है।



मान लेते हैं, सामने वाला तो जानता ही है कि हम उससे प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम केवल महसूस नहीं कराया जाता, उसे समय-समय पर व्यक्त भी किया जाता है।

समझे दांपत्य जीवन की वास्तविकता: सवाल यह है कि क्या शादी के बाद रोमांस खत्म हो जाना स्वाभाविक है? नहीं, लेकिन उसका स्वरूप बदल जाना स्वाभाविक है। शादी के शुरुआती दिनों में प्रेम में समय अधिक और जिम्मेदारियां कम होती हैं। बाद में बच्चों की पढ़ाई, करियर, बुजुर्गों की देखभाल, आर्थिक चुनौतियां और सामाजिक दायित्व जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। ऐसे में प्रेम का प्रदर्शन बदल जाता है। एक समय जो प्रेम गुलाब के फूलों में दिखाई देता था, वही बाद में आपके सिरदर्द के समय चुपचाप चाय बनाकर देने में दिखाई देता है।

यदि हम प्रेम को केवल उसके पुराने रूप में तलाशेंगे तो हमें लगेगा कि वह कहीं खो गया है। रिश्ते को बचाने के लिए बड़े बदलाव नहीं, छोटी आदतों काफी हैं।

कभी-कभी दूरियां भी जरूरी हैं: हर समय साथ रहना ही अच्छे रिश्ते की निशानी नहीं है। एक स्वस्थ रिश्ते में दो संपूर्ण व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत स्पेस का होना जरूरी है ताकि वे अपने

शौक पूरे कर सकें। अपने मित्रों से मिलें, गपशप करें। कुछ समय स्वयं के लिए भी रख सकें। जब हम स्वयं के भीतर संतुष्ट होते हैं, तभी हम किसी रिश्ते को भी मजबूत बना पाते हैं। याद रखिए, दो अधूरे लोग मिलकर एक संपूर्ण रिश्ता नहीं बना सकते। दो संपूर्ण लोग मिलकर एक सुंदर-प्यारा रिश्ता बनाते हैं। **प्रेम को दें नए अर्थ:** हम प्रेम को अकसर केवल धड़कनों और सरप्राइज तक सीमित कर देते हैं। जबकि जीवन के अंतिम पड़ाव पर लोग यह याद नहीं रखते कि उन्हें कितने गुलाब मिले थे। उन्हें यह याद रहता है कि कठिन दिनों में उनका हाथ किसने थामा था। शायद प्रेम का सबसे सुंदर रूप वही है, जिसमें शब्द कम और अपनापन अधिक होता है। इसलिए कोई निर्णय लेने से पहले एक प्रश्न स्वयं से पूछिए, 'क्या मैं सचमुच अपने लाइफ पार्टनर से ऊब गई हूँ?' उत्तर आपको चौंका सकता है। **बीता हुआ कल फिर से जीएं:** एक-दूसरे का हाथ थामकर पूछिए कि ऐसा क्या है, जो फिर से नहीं हो सकता। एक रोज बीता हुआ कल फिर से जी लीजिए, यकीनन आपको दिल फिर प्यार से सराबोर हो उठेगा। a



समझे ये पांच संकेत

- 1 पांच संकेत, जो बताते हैं कि आपको अपने दांपत्य रिश्ते से नहीं, उसकी दिवारियां से ऊब हुई है।
- 2 आपको अपने साथी से शिकायत कम और जीवन की भाग-दौड़ से अधिक शिकायत रहती है।
- 3 छुट्टियों में आप दोनों साथ अरुण समय बिताते हैं।
- 4 आप आज भी अपने साथी के दुःख से परेशान हो जाते हैं।
- 5 आप अलग होने की कल्पना से खुश नहीं, बल्कि बैरैन होते हैं।
- 6 आप केवल पहले जैसी ताजगी वापस चाहते हैं।

यदि ऐसा है तो आपके रिश्ते को समाप्त करने की नहीं, उसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।



स्किन केयर

शाहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अपने होंठों को खूबसूरत दिखाने के लिए लिपिस्टिक लगाना अधिकतर महिलाएं पसंद करती हैं। लिपिस्टिक मेकअप का ऐसा हिस्सा है, जिसके बिना पूरे चेहरे का मेकअप अधूरा ही माना जाता है, क्योंकि लिपिस्टिक लगाने से होंठों की सुंदरता बढ़ जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि अलग-अलग रंगों की लिपिस्टिक अलग-अलग तरह के केमिकल्स से बनी होती हैं और आप होंठों पर रंग की परत के साथ केमिकल लेयर भी चढ़ा रही होती हैं? ये ना सिर्फ आपके होंठों की प्राकृतिक चमक और सुंदरता को प्रभावित करती है बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत नुकसानदायक होती है। लिपिस्टिक लगाने से होंठों पर पुष्पाभाव पड़ता है क्योंकि बाजार में उपलब्ध

लिप्स के लिए हार्मफुल है केमिकल बेस्ड लिपिस्टिक

अधिकांश लिप ग्लॉस और लिपिस्टिक में क्रोमियम, लेड, एल्युमिनियम, कैडमियम और कई अन्य हार्मफुल तत्व मौजूद पाए जाते हैं।

स्किन एलर्जी का कारण: लिपिस्टिक में मौजूद रसायनों की वजह से होंठों में जलन, दाने या होंठों के आसपास झनझनाहट जैसी समस्या महसूस हो सकती है। साथ ही होंठों के आस-पास की स्किन भी प्रभावित हो सकती है। ऐसा लिपिस्टिक में बिस्मथ ऑक्सीक्लोराइड नामक केमिकल की वजह से हो सकता है। लिपिस्टिक में रंग बनाने के लिए मैंगनीज, लेड और केडमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी वजह से होंठों की एलर्जी हो सकती है, आपके होंठ काले पड़ सकते हैं और वो बार-बार सूख कर फट सकते हैं। लिपिस्टिक के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन के छिद्र बंद हो जाते हैं।

इंटरनल हेल्थ के लिए हार्मफुल: लिपिस्टिक का इस्तेमाल करने से पेट संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। होंठों पर लगाई जाने वाली लिपिस्टिक कभी-कभी भोजन करने के दौरान पेट में चली जाती है, जिसकी वजह से



इसमें मौजूद केमिकल शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं। इससे शरीर में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और शरीर के अंदरूनी अंगों को नुकसान भी हो सकता है। केमिकल युक्त लिपिस्टिक के बार-बार होंठों पर लगाने से यह पेट में पहुंचकर परेशानी पैदा कर सकती है। जिससे आपको पेट दर्द, किडनी और लिवर की भी समस्या हो सकती है। **बचने के उपाय:** इन समस्याओं से बचने के लिए ज्यादा देर तक होंठों पर लिपिस्टिक लगाने की बजाय आप रोजाना नारियल का तेल, शहद या एलोवेरा जैल लगाएं। इससे होंठ मुलायम रहेंगे। जब भी लिपिस्टिक लगाएं तो सबसे पहले होंठों पर बाम लगाएं। इससे होंठों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। लिपिस्टिक लगाने से पहले इसकी एक्सपायरी डेट और इंफ्रिंशंस जरूर चेक कर लें। रोजाना लिपिस्टिक लगाने की बजाय किसी त्योहार, फंक्शन या विशेष अवसर पर ही लिपिस्टिक लगाएं। a



डाइट सजेन

ललिता गौयल

आजकल की भाग-दौड़ भरी लाइफस्टाइल में पिज्जा, बर्गर, चिप्स और पैकेज्ड फूड्स डाइट का हिस्सा बनते जा रहे हैं। लेकिन इससे सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि हमें जरूरी पोषक तत्व फाइबर नहीं मिल पाता है। इससे कब्ज, थकान और मोटापे जैसी परेशानियां बढ़ती हैं। हेल्दी रहने के लिए फाइबर से भरपूर डाइट लेना क्यों जरूरी है और फाइबर युक्त आहार के लिए डाइट में क्या शामिल करें, इस बारे में जरूरी सजेनशंस।

फाइबर का रोल: फाइबर रिच फूड्स के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। फाइबर न केवल डाइजेशन को सही रखता है बल्कि भूख को भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, एनर्जी लेवल बरकरार रहता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।



फाइबर रिच फूड खाने का सही समय: फाइबर रिच फूड, दिन के किसी भी समय लिया जा सकता है, लेकिन सुबह या दोपहर में लेना सबसे फायदेमंद रहता है क्योंकि इस समय पाचन सबसे एक्टिव होता है। रात में भारी फाइबर फूड खाने से डाइजेशन धीमा हो सकता है।

फाइबर की कमी के लक्षण: शरीर में फाइबर की कमी होने पर कई लक्षण दिख सकते हैं। आपको इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए। फाइबर की कमी होने पर गैस, भूख को भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, एनर्जी लेवल बरकरार रहता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।

एसिडिटी और कब्ज की समस्या बनी रहती है। खाना खाने के एक-दो घंटे बाद ही अगर भूख महसूस हो तो यह भी भोजन में फाइबर की कमी का संकेत हो सकता है। **फाइबर की कमी के नुकसान:** डाइट में फाइबर की कमी होने से शरीर में कई गंभीर



बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फाइबर शरीर में ब्लड शुगर के लेवल को धीरे-धीरे रिलीज करने में मदद करता है। फाइबर की कमी होने से ब्लड शुगर अचानक बढ़ता और घटता है, जिससे दिन भर थकावट, सुस्ती और कमजोरी महसूस होती है। फाइबर आंतों में जाकर खराब कोलेस्ट्रॉल को सोख लेता है और शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। फाइबर की कमी से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने लगता है।

इसमें मौजूद केमिकल शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं। इससे शरीर में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और शरीर के अंदरूनी अंगों को नुकसान भी हो सकता है। केमिकल युक्त लिपिस्टिक के बार-बार होंठों पर लगाने से यह पेट में पहुंचकर परेशानी पैदा कर सकती है। जिससे आपको पेट दर्द, किडनी और लिवर की भी समस्या हो सकती है। **बचने के उपाय:** इन समस्याओं से बचने के लिए ज्यादा देर तक होंठों पर लिपिस्टिक लगाने की बजाय आप रोजाना नारियल का तेल, शहद या एलोवेरा जैल लगाएं। इससे होंठ मुलायम रहेंगे। जब भी लिपिस्टिक लगाएं तो सबसे पहले होंठों पर बाम लगाएं। इससे होंठों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। लिपिस्टिक लगाने से पहले इसकी एक्सपायरी डेट और इंफ्रिंशंस जरूर चेक कर लें। रोजाना लिपिस्टिक लगाने की बजाय किसी त्योहार, फंक्शन या विशेष अवसर पर ही लिपिस्टिक लगाएं। a

विशेष लोगों की विशेष चाय

Leaf & Dust

केमल

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

ज्वेरेव ने फाइनल में शेल्टन को हराया

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन का खिताब

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मौजूदा वर्ष में अपना करिश्माई प्रदर्शन जारी रखते हुए पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल का खिताब जीता। ज्वेरेव ने फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से हराया। इस तरह से अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों का ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का लंबा इंतजार जारी है। अमेरिका का कोई भी पुरुष खिलाड़ी 2003 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एकल का खिताब नहीं जीत पाया है। जर्मनी के ज्वेरेव का यह इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने इससे पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन नहीं उठा पाए दर्शकों के समर्थन का फायदा

पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय खिलाड़ी के रूप में खेल रहे ज्वेरेव ने शेल्टन की खराब शुरुआत का पूरा फायदा उठाया तथा दूसरे सेट के टाईब्रेकर में अपनी सर्विस पर किसी भी तरह की गलती नहीं की। शेल्टन को दर्शकों का अपार समर्थन मिल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।



ज्वेरेव ने जीता साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब

खेल का माहौल शानदार था

ज्वेरेव ने कहा, 'मुझे पता है कि आज 99.9 प्रतिशत लोग बेन को जीतते देखना चाहते थे, इसलिए सबसे पहले तो मुझे बहुत खेद है। लेकिन खेल का माहौल शानदार था।'

- ज्वेरेव

आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

शेल्टन ने ज्वेरेव से कहा, 'आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। शायद इस साल के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।'

- शेल्टन

55 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली

इस साल ग्रैंड स्लैम में ज्वेरेव का रिकॉर्ड 25-2 हो गया है। उन्हें यहां खिताब जीतने पर 55 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली, जो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सर्वाधिक है। महिला चैंपियन एलेना रायबाकिना को भी इतनी ही पुरस्कार राशि मिली। ज्वेरेव इससे पहले 2020 में अमेरिकी ओपन जीतने के करीब पहुंच गए थे। उन्होंने तब डोमिनिक थिएम के खिलाफ पहले दो सेट जीते। इसके बाद वह एक समय जीत से सिर्फ दो अंक दूर रह गए थे लेकिन फिर वह 1949 के बाद फाइनल में दो सेट की बढ़त गवाकर हारने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए।

खबर संक्षेप



टी20 सीरीज से बाहर हुए स्पिनर चक्रवर्ती नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज से बाहर हो गए और इस चोट के चलते आगामी एशियाई खेलों में उनके खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है। चक्रवर्ती हाल में पैर की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट से उबरे थे, जो उन्हें जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी थी। उन्होंने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में एक विकेट लिया था।

क्षेत्ररक्षण में कड़ी मेहनत कर रही टीम : मजूमदार दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने एशिया कप में टीम के क्षेत्ररक्षण में खराब प्रदर्शन को ख़ास तवज्जो नहीं दी और कहा कि खिलाड़ी इस विभाग में सुधार करने के लिए

कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मजूमदार ने कहा, 'निश्चित तौर पर सुधार की गुंजाइश है। लेकिन इसके बावजूद हमने

बहुत अच्छा क्षेत्ररक्षण किया।' उन्होंने कहा, 'हम इस विभाग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने इसको काफी समय दिया है और बहुत अभ्यास भी किया है। हम इसे बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।' मजूमदार ने मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने के कारण जताई जा रही चिंता को भी खारिज कर दिया।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की चैंपियन बनी अमृतसर



मोहाली। अमृतसर सूरमाज ने लुधियाना लॉयंस को 8 विकेट से हराकर शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का खिताब जीता। अमृतसर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी ने करते हुए लुधियाना लॉयंस को 20 ओवरों में 142 रन ही बनाने दिए। लुधियाना का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। एक समय उसका स्कोर सात विकेट पर 86 रन था। अमृतसर की तरफ से मयंक मार्कंडे ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए।

सीरीज जीत के करीब टीम इंडिया, पांचवें गेंदबाज की कमी बनी सिरदर्द

एजेसी ►► नई दिल्ली

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले दूसरे दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी और इस दौरान पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान भी निकालना चाहेगी। हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में पांचवें विश्वसनीय गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो रही है। विश्व कप विजेता भारत ने रविवार को यहां एकतरफा मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार वापसी की।



टीम इंडिया में पांचवें गेंदबाज की समस्या

भारत को इस महीने के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान करना होगा। अक्षर को उस स्थान की भरपाई करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि ऑलराउंडर शिवम दुबे और नीतीश कुमार रेड्डी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। रेड्डी को दो

आज शाम 7.30 बजे से दूसरा टी20

ओवरों में 30 रन लुटाए जबकि आखिरी ओवर में गेंद संभालने वाले दुबे ने 21 रन दिए। अभिषेक ने भी एक ओवर किया। इस तरह तीनों ने मिलकर अपने चार ओवरों में 59 रन लुटाए। अर्शदीप, बुमराह, अक्षर पटेल और चक्रवर्ती के अच्छे प्रदर्शन से भारत को पांचवें गेंदबाजी के विकल्पों का खराब प्रदर्शन भारी नहीं पड़ा लेकिन भविष्य में टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

एशिया कप

खिताबी जीत के बाद क्रांति पर आईसीसी ने ठोका जुर्माना



एजेसी ►► दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत की महिला टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले गए टी20 एशिया कप फाइनल के दौरान आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया और एक डिमेरिट अंक दिया। भारत ने रविवार को एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर यहां आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। इस मुकाबले के दौरान क्रांति को आचार संहिता के नियम 2.5 के उल्लंघन का

नियम 2.5 का उल्लंघन

आईसीसी ने कहा, 'क्रांति ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.5 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच में किसी बल्लेबाज को आउट करने के बाद ऐसी भाषा, कार्रवाई या इशारे का इस्तेमाल करने से संबंधित है, जो बल्लेबाज को अपमानित करे या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकता हो।'

मैदानी अंपायर ने लगाया था आरोप

आईसीसी ने कहा, 'मैदानी अंपायर सलीमा इमियाज और शथिरा जाकिर जेसी, तीसरी अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथी अंपायर हुमैरा फराह ने आरोप लगाए।' उन्होंने कहा, 'लेवल एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक हैं।'

अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में डिमेरिट अंक जोड़ा

आईसीसी ने कहा, 'इसके अलावा क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है।' दाएं हाथ की तेज गेंदबाज क्रांति ने फाइनल के दौरान श्रीलंका की सलामी बल्लेबाज इमेशा दुलानी को आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया था। क्रांति ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी सुशिया रानी दास के प्रस्तावित सजा को स्वीकार किया।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग

टेनिस की नई क्वीन बनीं रायबाकिना



एजेसी ►► नई दिल्ली

सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रायबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनजेन ह्वेग को हराने के बाद ही रायबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गई हैं।

सबालेंका से छीना ताज

पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट रिविंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी।

यह इतिहास है : रायबाकिना

रायबाकिना ने कहा, यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बलूगी या इतने बड़े मंचों

जोकोविच 7 पायदान नीचे खिसके

यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियोना नोवोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मारिटे कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

2007 में टॉप 10 में शामिल हुए थे जोकोविच जोकोविच साल 2007 में टॉप 10 में शामिल हुए थे। सर्बिया के इस महान खिलाड़ी ने रिकॉर्ड 428 हफ्तों तक 'वर्ल्ड नंबर 1' का स्थान हासिल किया है। यूएस ओपन 2026 में जोकोविच का पहले ही राउंड में बाहर होना, साल 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से ऐसा पहली बार हुआ है और यूएस ओपन के शुरुआती मैच में उनकी यह पहली हार थी।



पाकिस्तान की पूरी टीम फंसी, टेस्ट चैंपियनशिप के 11 अंक कटे

धीमी ओवर गति के लिए पाक पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

एजेसी ►► दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान पर बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए सोमवार को मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया और उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 11 अंक काट दिए।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में किए 11 ओवर कम

आईसीसी ने कहा कि मेजबान इंग्लैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में 0-3 से हारने वाले पाकिस्तान ने निर्धारित समय के अंदर 11 ओवर कम किए थे। पाकिस्तान ने लीड्स में खेला गया सीरीज का पहला मैच पारी और 103 रन से, लॉर्ड्स में खेला गया दूसरा टेस्ट 194 रन से और एजबेस्टन में खेला गया तीसरा टेस्ट आठ विकेट से



गंवाया था। आईसीसी ने कहा, 'बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर दो तरह के प्रतिबंध

लगाए गए हैं।' यह प्रतिबंध आईसीसी मैच रेफरी रंजन मद्गुले, मैदानी अंपायर पॉल रिफेल और क्रिस गैफ्रनी, तीसरे अंपायर अल्लाहुद्दीन पालेकर और चौथे अंपायर रसेल वॉरेन ने लगाए।

सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के चयन ट्रायल्स में काजल, नीलम और सिमरन जीतीं

नीशू का दमदार प्रदर्शन, फाइनल में पंधाल से भिड़ंत

एजेसी ►► नई दिल्ली

प्रतिभाशाली पहलवान नीशू ने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल कर एशियाई खेलों के लिए चुनी गई अंतिम पंधाल के खिलाफ फाइनल मुकाबला तय किया। नीशू ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में बेहद कड़े मुकाबले में थिरका को हराकर 53 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज की। नीशू और अंतिम पंधाल के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तय करेगा कि 24 अक्टूबर से एक नवंबर तक कजाखस्तान के अस्ताना में होने वाली सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 53 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति के तहत ट्रायल में जीतने वाले पहलवानों को एशियाई खेलों के लिए चुने गए पहलवानों को सीनियर विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए अंतिम ट्रायल में चुनौती देने का मौका मिलेगा। यह अंतिम ट्रायल बाद में आयोजित



किया जाएगा। चार गैर-ओलंपिक भार वर्गों के ट्रायल भी बाद में आयोजित किए जाएंगे।

काजल का शानदार प्रदर्शन जारी

दो बार की अंडर-20 विश्व चैंपियन काजल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 76 किग्रा वर्ग के फाइनल में शिक्षा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। सिमरन ने संयमित प्रदर्शन करते हुए स्वाति शिंदे को कड़े मुकाबले में हराकर 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में नीलम ने अंकुश को हराकर पहला स्थान हासिल किया।

सुष्टि ने 68 किग्रा वर्ग में बिपाशा को दी मात

अन्य भार वर्गों में तपस्या ने 62 किग्रा वर्ग में अंजलि को हराकर जीत दर्ज की जबकि सुष्टि ने 68 किग्रा वर्ग में बिपाशा को मात दी। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'आज हुए मुकाबलों का स्तर और इनमें हुई प्रतिस्पर्धा उत्साहजनक रही। पहलवानों ने जबरदस्त दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला किया और दिखाया कि विभिन्न भार वर्गों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

17 सितंबर को
प्रधानमंत्री के जन्मदिन
पर भव्य दीपोत्सव, 7
अक्टूबर को 25 वर्ष की
जनसेवा का जश्न

हरिभूमि जबलपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर इस बार जबलपुर का ग्वारीघाट एक लाख दीपों की रोशनी से जगमगाएगा। भाजपा ने प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की राजनीतिक एवं जनसेवा यात्रा को केंद्र में रखकर प्रदेशभर में एक माह के 'सेवा संकल्प अभियान' का ऐलान किया है। 17 सितंबर से शुरू होने वाले अभियान में सेवा, सुशासन और विकसित भारत-2047 के संकल्प को लेकर विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जबलपुर में अभियान का सबसे बड़ा आकर्षण 'ग्वारीघाट' पर एक लाख दीपों का दीपोत्सव रहेगा। रविवार को भाजपा कार्यालय रानीताल में आयोजित पत्रकार वार्ता में मप्र तीर्थ एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोंटिया ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा सामने रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ष प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाती है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की सेवा यात्रा को देखते हुए पूरे प्रदेश में एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। गोंटिया के अनुसार नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और 26 मई 2014 से देश के प्रधानमंत्री हैं। अभियान का उद्देश्य उनकी सेवा यात्रा, केंद्र सरकार की योजनाओं और विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को जनता तक पहुंचाना है।

ग्वारीघाट में एक लाख दीपों से रोशन होगा ‘मोदी संकल्प’



दीपों में दिखेगा आशीर्वाद

प्रधानमंत्री के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। प्रदेशभर में रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। शाम 7 बजे भाजपा के सभी 71,930 बुधों पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम होगा। कार्यकर्ता लाभार्थियों के घर पहुंचकर दीप प्रज्वलित करेंगे। जबलपुर में इसी कड़ी में ग्वारीघाट पर एक लाख दीप जलाकर भव्य दीपोत्सव किया जाएगा। भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत के सामूहिक संकल्प का प्रतीक बताया है।

7 अक्टूबर को 25 वर्ष की सेवा यात्रा का संकल्प

अभियान का दूसरा बड़ा पड़ाव 7 अक्टूबर होगा। इस दिन प्रधानमंत्री के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प' आयोजित होगी। प्रदेश के गांवों और अलग-अलग क्षेत्रों से पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैलियां निकलेंगी, जो एक स्थान पर पहुंचकर बड़े कार्यक्रम में तब्दील होंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा कार्यों और विकास उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा तथा विकसित भारत-2047 का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा।

सेवा अभियान में ये भी खास

- स्वच्छता अभियान: 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में विशेष स्वच्छता अभियान।
- स्कूलों में प्रतियोगिताएं: 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला, ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं।
- आंगन मिलन सेवा: 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों और माताओं के साथ कार्यक्रम।
- सेवा की कहानी: 11,404 शक्ति केंद्रों पर योजनाओं से लाभान्वित लोगों की वास्तविक कहानियों की वीडियो/रील तैयार की जाएंगी।

वडनगर से काशी तक पहुंचेगा सेवा संदेश

250 बाइक पर 500 यात्री वडनगर के हाटकेश्वर महादेव मंदिर से यात्रा शुरू करेंगे। गुजरात की पवित्र नदियों और शक्तिता तालाब का जल लेकर यात्री अलग-अलग टैलियों में वापस सी पहुंचेंगे और काशी विश्वनाथ का जलामिषेक करेंगे। देशभर में प्रस्तावित 20 यात्राओं में 13 यात्राएं मध्यप्रदेश से होकर गुजरेंगी।

हर नागरिक से 25 मिनट सेवा का आह्वान

'सेवा मेरा योगदान' अभियान में 25 प्रकार की सेवा गतिविधियां होंगी। प्रत्येक नागरिक से कम से कम 25 मिनट श्रमदान कर अभियान से जुड़ने का आह्वान किया गया है। वहीं विधानसभा क्षेत्रों में 'सेवा सेतु' कैंप लगाकर पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद की जाएगी।

मानव रंगोली से दिखेगा विकसित भारत

'सेवा के रंग-राष्ट्र के संग' कार्यक्रम में प्रदेश के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मानव रंगोली बनाई जाएगी। इसमें जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और विकसित भारत के संदेश को प्रदर्शित किया जाएगा।

इनकी रही उपस्थिति

पत्रकार वार्ता में सांसद आशीष दुबे, भाजपा महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, वामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायक अजय विश्‍नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदू, संतोष बरकड़े, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्‍नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकू विज, प्रदेश सह मीडिया प्रमोटी श्रीकांत साहू और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वाणी अहलुवालिया सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक लाख दीप, एक बड़ा संकल्प

- 17 सितंबर - शाम 7 बजे ग्वारीघाट में एक लाख दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा।
- 17 सितंबर — सेवा दिवस, रक्तदान, 'आशीर्वाद का दीया'
- 25 सितंबर—7 अक्टूबर — आंगन मिलन सेवा
- 2 अक्टूबर — स्वच्छता अभियान
- 7 अक्टूबर — सेवा ज्योति कलश यात्रा
- 17 अक्टूबर — सेवा संकल्प अभियान का समापन
- 71,930 — प्रदेश के बुध
- 11,404 — शक्ति केंद्र
- 25 — सेवा गतिविधियां
- 25 मिनट — नागरिकों से श्रमदान की अपील
- 1 लाख — ग्वारीघाट में दीप प्रज्वलन

नुकड़ नाटक से लेकर नवाचार तक

'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के तहत गांव-गांव नुकड़ नाटक होंगे। युवाओं, विद्यार्थियों और स्टार्टअप्स के लिए 'सेवा फस्ट इन्‍ोवेशन चैलेंज' आयोजित होगा। 17 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्तर पर 'सुशासन, सेवा, संवाद' कार्यक्रम के साथ अभियान का समापन प्रस्तावित है।

गंभीर अपराध के आरोप होने पर चार्जशीट के लिए 90 दिन की अवधि

फर्जी फारेक्स ट्रेडिंग ठगी में जमानत से इनकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने 38.50 लाख रुपये की फर्जी फारेक्स ट्रेडिंग ठगी के मामले में आरोपी उमेश कांतिलाल पटेल को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस द्वारकाधीश बंसल की सिंगल बेंच ने कहा कि मामले में गंभीर अपराध के आरोप के मूल तथ्य एफआइआर में ही मौजूद थे। इसलिए पुलिस को जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल करने के लिए 90 दिन की अवधि मिलेगी, न कि 60 दिन। मामला अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र का है। संतोष कुमार चौरसिया की



शिकायत पर पुलिस ने 4 दिसंबर 2024 को उमेश कांतिलाल पटेल और अंकित मालीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। आरोप है कि फर्जी फॉरेक्स ट्रेडिंग और निवेश पर रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 38.50 लाख रुपये ठगे

गए। जांच के दौरान गंभीर अपराधिक आरोप भी जोड़े गए। आरोपी की ओर से तर्क दिया गया कि पुलिस ने 60 दिन में चार्जशीट पेश नहीं की, इसलिए उसे जमानत का अधिकार है। हाईकोर्ट ने यह दलील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि बाद में गंभीर आरोप जोड़े जाने के बावजूद यदि उसके मूल तथ्य एफआइआर में पहले से मौजूद हैं, तो चार्जशीट के लिए 90 दिन की अवधि ही मानी जाएगी। कोर्ट ने पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए विशेष न्यायालय का आदेश बरकरार रखा।

विवेक पोरवाल और संदीप जीआर को 21 सितंबर को पेश करने का आदेश

आदेश की अवहेलना पर दो आईएस अधिकारियों के गिरफ्तारी वारंट



आफिसर शीला सेन के नियमितोकरण से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने 19 मार्च 2025 को सरकार और सागर कलेक्टर को याचिकाकर्ता के दावे का 90 दिन में निराकरण करने का आदेश दिया था। समयसीमा बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं होने पर शीला सेन ने अवमानना याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कविता

गुप्ता ने पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि दोनों अधिकारियों को नोटिस की तामीली के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। सागर कलेक्टर ने तीन दिसंबर 2025 को रजिस्ट्री को पत्र भेजकर तहसीलदार को संपर्क अधिकारी नियुक्त किए जाने की जानकारी दी, लेकिन न अधिवक्ता नियुक्त किया गया और न अनुपालन रिपोर्ट पेश की गई। हाई कोर्ट ने इस स्थिति को प्रशासनिक व्यवस्था की दयनीय स्थिति बताते हुए दोनों अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्देश दिया।

- ▶ अतिरिक्त वसूली पर जिला उपमोक्ता आयोग का निर्णय
- ▶ ब्याज और मानसिक क्षतिपूर्ति भी देनी होगी

एलआईसी हाउसिंग फायनेंस को 1.60 लाख रुपये लौटाने का आदेश

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने एलआईसी हाउसिंग फायनेंस को परिवारी से अतिरिक्त रूप से वसूले गए 1.60 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। आयोग ने इस राशि पर 15 दिसंबर 2022 से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के साथ ही मानसिक कष्ट के लिए 25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में अदा करने के निर्देश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव, सदस्य अमित सिंह तिवारी व सोनल पंडिल ने धनवंतरी नगर निवासी निम्मा प्रसाद वंशकार के परिवार पर यह आदेश पारित किया।

120 किश्तें जमा करने के बाद भी वसूली

परिवारी की ओर से आयोग को बताया गया कि निम्मा प्रसाद ने अप्रैल 2010 में एलआईसी हाउसिंग फायनेंस से आठ लाख रुपये का ऋण लिया था। ऋण की 120 किश्तें नियमित रूप से जमा करने के बाद भी उससे 1.60 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि वसूल की गई। इसे सेवा में कमी बताते हुए परिवार दायर किया गया। मामले की सुनवाई के बाद आयोग ने अतिरिक्त रूप से वसूली गई 1.60 लाख रुपये की राशि ब्याज सहित वापस करने का आदेश दिया। साथ ही मानसिक कष्ट के लिए 25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति देने के निर्देश दिए।

पांच से 26 सितंबर तक सुबह 10 की जगह दोपहर 12 बजे तक पहुंच सकेंगे कार्यालय

पर्युषण पर हाई कोर्ट के जैन कर्मचारियों को दो घंटे की छूट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट नेपर्युषण पर्व के धार्मिक अनुष्ठानों और आवश्यकताओं को देखते हुए जैन धर्मावलंबी कर्मचारियों को दो घंटे की विशेष छूट दी है। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे के निर्देश पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धर्मेन्द्र सिंह ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। इसके तहत 15 सितंबर से 26 सितंबर तक जैन कर्मचारी सुबह 10 बजे के निर्धारित समय के बजाय दोपहर 12 बजे तक कार्यालय पहुंच सकेंगे। यह सुविधा हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर के अलावा इंदौर और ग्वालियर पीठ व संबंधित कार्यालयों में लागू रहेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धार्मिक पर्व के कारण दी गई इस विशेष सुविधा से न्यायालयीन कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को कार्यालयीन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हाई कोर्ट प्रशासन ने आदेश की प्रतियां इंदौर और ग्वालियर पीठ सहित मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी को भी भेजी हैं। इस निर्णय से पर्युषण पर्व के दौरान धार्मिक परंपराओं का पालन करने वाले जैन कर्मचारियों को सुविधा मिलेगी।

कॉलेज के लेखाकार पर फीस गबन और धोखाधड़ी का मामला दर्ज

जबलपुर। माढ़ोताल थाना पुलिस ने श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के लेखाकार चंद्रमोहन सिंह ठाकुर के खिलाफ फीस की राशि में कथित गबन, धोखाधड़ी और कूटरचित रसीदों के इस्तेमाल का मामला दर्ज किया है। कॉलेज के प्राचार्य शैलेश गुप्ता की शिकायत के अनुसार आरोपी वर्ष 2017 से लेखाकार के पद पर कार्यरत था और विद्यार्थियों की फीस संबंधी रिकॉर्ड का दायित्व संभालता था। आरोप है कि वर्ष 2024 से उसने कुछ छात्रों की फीस संस्था के अधिकृत खाते में जमा कराने के बजाय अपने व्यक्तिगत बैंक खाते में जमा कराई तथा कुछ छात्रों से नगद राशि भी ली। शिकायत में फर्जी रसीदें जारी करने का भी आरोप है। कॉलेज के अनुसार अब तक 14 छात्रों ने नगद फीस देने की जानकारी दी है। शिकायत में करीब 36.81 लाख रुपए की राशि के गबन का उल्लेख है, जबकि राशि और बढ़ने की संभावना जताई गई है। जनवरी 2026 से आरोपी कॉलेज नहीं आ रहा है। पुलिस ने धारा 318(4), 316(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

‘भाषा’ में गूंजा हिंदी का सौंदर्य कविता और संगीत ने बांधा समां



गंधर्व ने काव्य पाठ किया। 'जो जा रहा है उसे जाने दो, रुक जाना रह जाना नहीं है उसे जाने दो' सहित कविताओं ने श्रोताओं को भावविभोर किया। सूर पराग फाउंडेशन की संगीतमयी प्रस्तुति में

तापसी नागराज, श्रेया देसाई, मुरलीधर नागराज, आरोही मिश्रा और राज्यवर्धन पटेल ने सहभागिता की। संचालन विवेक चतुर्वेदी और आभार आदित्य श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

सिद्ध गणेश धाम में 41 किलो चांदी के गणेश जी की स्थापना



जबलपुर। ललपुर रोड, ग्वारीघाट स्थित सिद्ध गणेश धाम के रजत गणेश मंदिर में महागणेशोत्सव के अवसर पर 41 किलो चांदी से निर्मित 51 इंच ऊंची भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित की गई। मंदिर के संस्थापक एवं मुख्य पुजारी स्वामी प्रमोद जी महाराज ने बताया कि 16 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा की शुरुआत वर्ष 2011 में 5.25 किलो चांदी

की प्रतिमा से हुई थी। इस अवसर पर पूर्व एडीशनल कलेक्टर आलोक श्रीवास्तव एवं पूर्व डिप्टी एडवोकेट जनरल प्रवीण दुबे मुख्य यजमान रहे। 25 सितंबर तक चलने वाले महोत्सव में प्रतिदिन अभिषेक, सहस्त्रार्चन, महाआरती और भंडारे का आयोजन होगा। अनंत चतुर्दशी पर हवन-पूजन एवं जल विहार के साथ उत्सव का समापन होगा।

अभियंता दिवस की पूर्व संध्या पर 34 कनिष्ठ अभियंताओं को पदोन्नति

जबलपुर। अभियंता दिवस की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 34 कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति दी। पदोन्नत अभियंताओं में संजय कुमार तिवारी, आशीष कुमार उपाध्याय, मुकेश कुमार विश्वकर्मा, सुरेश धनुक, लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा,

गणेश नहले, राजवीर सिंह, उदय कुमार, समरेश कुमार, अमित कुमार सिंह, विकास गोड्डे, जितेंद्र कुमार केवडे, चंदन कुमार, कृष्णकांत तिवारी, रवि शंकर तिवारी, जीतेश कुमार, मनीष कुमार मोर्य, लखन कुमार सोनी, विवेक नेमा, राजू पाण्डेय, अंकित शर्मा, रवि नंदन बाबू, अमरदोप सिंह

परिहार, दीपेश नारायण सिंह, लालकृष्ण वैश्य, देवचंद सनोडिया, माता प्रसाद शाह, जितेंद्र कुमार मिश्रा, जितेंद्र सोनी, प्रवीण पटेल, समीक्षा बघेल, सुदेश कुमार नामदेव, विमल चंद्र मिश्रा और प्रदीप निरंजन शामिल हैं। प्रबंध संचालक अजय गुप्ता ने सभी को शुभकामनाएं दीं।